# प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 169 | दिनांक : शनिवार, 20 जून 2026 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540


**सुविचार**

प्यार और सम्मान करने की क्षमता मनुष्य को ईश्वर का दिया हुआ सबसे बड़ा उपहार है।

रोहित शर्मा-विराट कोहली को 2027 वर्ल्ड कप में मिलेगा मौका ? » पृष्ठ 7 पर

## देश की पहली वाणिज्यिक कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट इकाई से बढ़ेगी ऊर्जा आत्मनिर्भरता

# कोयला गैसीकरण से आत्मनिर्भर भारत को नई ताकत

- पीएम मोदी ओडिशा में 25,016 करोड़ की कोयला गैसीकरण परियोजना का आज करेंगे शिलान्यास
- झारसुगुड़ा में बनेगा कोयले से अमोनियम नाइट्रेट उत्पादन का पहला वाणिज्यिक संयंत्र
- ओडिशा में 25,016 करोड़ की परियोजना से रोजगार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

19 जून ( एएम नाथ )

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर में 25,016 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी कोयला गैसीकरण परियोजना का शिलान्यास करेंगे। यह देश की पहली वाणिज्यिक स्तर की कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट उत्पादन परियोजना होगी, जिसे ऊर्जा सुरक्षा, आयात पर निर्भरता कम करने और औद्योगिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

कोयला मंत्रालय के अनुसार, यह परियोजना लगभग 350 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी, जिसके लिए सभी आवश्यक मंजूरियां प्राप्त हो चुकी हैं। शिलान्यास के बाद निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

परियोजना का विकास भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड और कोल इंडिया लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम भारत कोल

जैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

इसमें बीएचईएल की स्वदेशी कोयला गैसीकरण तकनीक का उपयोग होगा, जिसके जरिए प्रतिदिन 2,000 टन अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन किया जाएगा। परियोजना के लिए अप्रैल में बीसीजीसीएल और महानदी कोल्फील्डिंस लिमिटेड के बीच भूमि पट्टे का समझौता हुआ था।

केंद्र सरकार ने कोयला युक्त भूमि के उपयोग को मंजूरी देने के साथ इस परियोजना को प्रोत्साहन योजना के तहत 1,350 करोड़ रुपये की सहायता भी प्रदान की है।

मंत्रालय का कहना है कि कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन पहल के तहत देश के विभिन्न कोयला उत्पादक क्षेत्रों में 25 परियोजनाओं में 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है।

इससे करीब 50 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सरकार ने कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए कुल 46,000 करोड़ रुपये तक के परिव्यय वाली योजनाओं को मंजूरी दी है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक और उपभोक्ता देश है। ऐसे में लखनपुर परियोजना को भविष्य की कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए मॉडल माना जा रहा है। इससे उर्वरक एवं विस्फोटक उद्योगों के लिए कच्चे माल की घरेलू उपलब्धता बढ़ेगी और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को नई गति मिलेगी।

## प्रधानमंत्री 20-21 जून को पश्चिम बंगाल दौरे पर

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

19 जून ( एएम नाथ )

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 और 21 जून को पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह हुगली जिले में पश्चिम बंग दिवस समारोह में भाग लेंगे, विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे, किसानों के लिए कई केंद्रीय कृषि योजनाओं की शुरुआत करेंगे तथा 21 जून को कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार 20 जून को प्रधानमंत्री हुगली जिले के तारकेश्वर में आयोजित पश्चिम बंगाल दिवस समारोह में शामिल होंगे।

### पीएम-किसान की 23वीं किस्त जारी करेंगे

इस अवसर पर वह रेलवे, कृषि, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्रों से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे तथा जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की 23वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत 18,880 करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों के खातों में भेजी जाएगी। पश्चिम बंगाल में 45 लाख से अधिक किसानों को 900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिलेगी। प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) की शुरुआत करेंगे। वर्ष 2026-27 में इस योजना के तहत राज्य के लगभग 50 लाख किसानों और 14 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को बीमा सुरक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसके अलावा डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत एग्रीस्टैक, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का भी शुभारंभ किया जाएगा। प्रधानमंत्री दक्षिण 24 परगना जिले के फ्रेजरगंज में आधुनिकीकृत मत्स्य बंदरगाह तथा बीरभूम जिले के सैथिया में नए आधुनिक मछली बाजार का उद्घाटन करेंगे।

## संक्षिप्त न्यूज

### भारतीय नौसेना में 21 जून को एक साथ शामिल होंगे 3 स्वदेशी युद्धपोत

**स्वदेशी ताकत की नई मिसाल**

**नई दिल्ली ( ब्यूरो )** - भारतीय नौसेना को 21 जून को एक बड़ा रणनीतिक तोहफा मिलने जा रहा है। कोलकाता में आयोजित एक विशेष समारोह में नौसेना तीन स्वदेशी नौसैनिक प्लेटफॉर्म को अपने बेड़े में शामिल करेगी। इनके नाम आईएनएस दुनागिरि, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय हैं। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि होंगे। नौसेना के मुताबिक ये तीनों जहाज अलग-अलग भूमिकाओं के लिए तैयार किए गए हैं। इनमें समुद्री युद्ध, समुद्री सर्वेक्षण और पनडुब्बी रोधी अभियान जैसी अहम क्षमताएं शामिल हैं।

इन तीनों जहाजों को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है। इनका निर्माण गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने कोलकाता में किया है। नौसेना का कहना है कि ये जहाज भारत के जहाज निर्माण क्षेत्र की बढ़ती क्षमता को दिखाते हैं। इनमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरण और सिस्टम हैं। यानी इन जहाजों में इस्तेमाल होने वाले अधिकांश हिस्से भारत में ही बने हैं।

### क्रिकेटर आकाशदीप और मुकेश कुमार बिहार में DSP नियुक्त

**पटना ( ब्यूरो )**- बिहार सरकार ने राज्य का मान बढ़ाने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के दो स्टार तेज गेंदबाजों मुकेश कुमार और आकाश दीप को बिहार पुलिस में सीधे पुलिस उपाधीक्षक (DSP) के पद पर नियुक्त करने का बड़ा फैसला किया है। यह फैसला सरकार ने कल यानी (17 जून ) को हुई कैबिनेट बैठक के बाद लिया है। जिसमें बिहार के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति नियमवाली 2026 को मंजूरी दी गई है। डीएसपी पद पर नियुक्त किए गए दोनों भारतीय खिलाड़ी मुकेश कुमार और आकाश दीप वर्तमान में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलते हैं। साथ ही आईपीएल (IPL) में भी अपनी गेंदबाजी का जलवा बिखेर चुके हैं। मुकेश कुमार गोपालगंज के रहने वाले है तो वही आकाश दीप रोहतास जिले के रहने वाले है।

इन दोनों ही खिलाड़ियों का हालिया प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। क्रिकेटर और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाश दीप साल 2022-23 में चीन के हांगझोऊ में आयोजित हुए 19वें एशियाई गेम्स में स्वर्ण पदक पाने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा पिछले साल 2025 इंग्लैंड में आयोजित हुई भारत और इंग्लैंड पांच दिवसीय टेस्ट सीरीज का भी ये दोनों रहे थे। उनके बेहतरीन प्रदर्शन को और राज्य का मान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाने के लिए सराकर ने इनके नामों का चयन किया।

## राम मंदिर दान घोटाला: SIT जांच पर भरोसा रखें, दोषी नहीं बचेगा : योगी

**अयोध्या में CM योगी का विपक्ष पर हमला, बोले- रामभक्तों को गुमराह न करें**

» प्रथम न्यूज । अयोध्या

19 जून ( ब्यूरो )

अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर में दान और चढ़ावे के रूप में प्राप्त करोड़ों रुपये तथा आभूषणों में कथित हेरफेर के मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। मामले के सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) गठित की है। इसी बीच शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमानगढ़ी में पूजा-अर्चना की और रामलला के दर्शन किए। इसके बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधा और लोगों से SIT जांच पर भरोसा रखने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर SIT जांच बैठाई है और यह जांच दूध का दूध, पानी का पानी कर देगी। उन्होंने कहा कि यदि

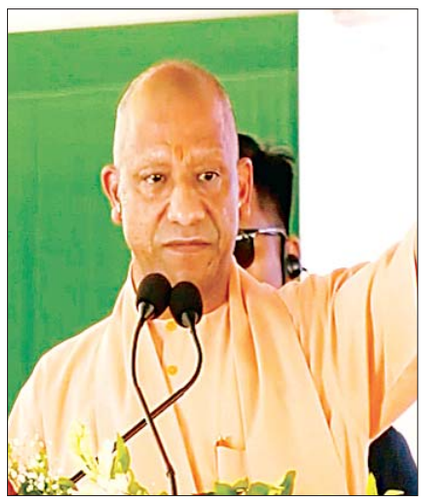

किसी के पास कोई सबूत है तो वह SIT को उपलब्ध कराए, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके। योगी ने लोगों से अपील की कि जांच पूरी होने तक कोई भी अनर्गल टिप्पणी न करे, जिससे रामभक्तों की आस्था और भावनाएं आहत हों।

विपक्ष पर हमला बोलते हुए योगी ने कहा कि कुछ लोग अयोध्या धाम और राम जन्मभूमि को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि भगवान राम ने मर्यादा का पाठ पढ़ाया है और सभी को उसी मर्यादा का पालन करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ है, इसलिए लोगों को कुछ दिन और धैर्य रखना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि जांच में कोई दोषी पाया गया तो वह किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल SIT अयोध्या में दान रिकॉर्ड, बैंक दस्तावेजों और ट्रस्ट पदाधिकारियों से पूछताछ कर जांच में जुटी है।

## तालिबान ने पाकिस्तान से लिया बदला

**मुनीर सेना के पाले ISIS आतंकियों के ठिकानों पर ड्रोन से किया हमला**

**काबुल ( एजेंसी )**- अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने पाकिस्तान में आईएसआईएस से जुड़े कथित ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की न्यूज एजेंसी खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को जारी एक बयान में, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में आईएसआईएस से जुड़े ठिकानों पर रात भर हवाई हमले किए। मंत्रालय ने कहा कि जिन जगहों को टारगेट किया गया था, उनका इस्तेमाल कथित तौर पर अफगानिस्तान के खिलाफ हमलों की प्लानिंग और कोऑर्डिनेट करने के लिए किया जा रहा था। अफगान अधिकारियों के अनुसार, हाल के सालों में अफगानिस्तान में हुए कुछ सबसे खतरनाक हमले इन इलाकों में काम कर रहे नेटवर्क से जुड़े थे।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने कहा कि इन एयरस्ट्राइक के दौरान जरूरी और तय टारगेट को कामयाबी से निशाना बनाया गया। इसने चेतावनी दी कि अफगानिस्तान उन ग्रुप्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा जिन्हें वह देश के लिए खतरा मानता है। उन्हें सफलतापूर्वक टारगेट किया गया है।

**हिमाचल में डॉक्टरों के लिए बड़ी घोषणा**

## मुख्यमंत्री बोले सुखविंद्र सिंह सुक्खू बोले, सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सकों को मिलेगा नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस

» प्रथम न्यूज । शिमला

19 जून ( बी. शर्मा )

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राज्य के सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सकों को नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस (NPA) प्रदान करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है और स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों के दौरान स्वास्थ्य अवसंरचना और चिकित्सा सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सुधारों को लेकर चिकित्सकों के साथ व्यापक चर्चा की है और आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कार्य जारी रहेगा।

समीक्षा बैठक में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, महाधिवक्ता अनूप रतन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध निदेशक प्रदीप ठाकुर, हिमाचल प्रदेश मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक दिव्यांशु सिंगल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

### मेडिकल कॉलेजों को एम्स के स्तर तक विकसित करने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों को पर्याप्त स्टाफ और अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध करवाकर उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के स्तर तक विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार आधुनिक चिकित्सा मशीनरी और उपकरणों की खरीद पर लगभग 3,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि जिन जिलों में मेडिकल कॉलेज नहीं हैं, वहां क्षेत्रीय और जोनल अस्पतालों की सुविधाओं को उन्नत किया जा रहा है ताकि मरीजों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

## पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस पर तीखा हमला

**कहा, आप का 'झाड़ू' पंजाब की राजनीतिक व्यवस्था की कर रहा सफाई**

» प्रथम न्यूज । फगवाड़ा

19 जून ( ब्यूरो )

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पंजाब पर बारी-बारी से राज करने वाली राजनीतिक पार्टियों का दौर अब समाप्त हो चुका है और सूबे के भरोसे को ठेस पहुंचाने वालों को जवाबदेह बनाया जाएगा। फगवाड़ा में आयोजित 'लोक मिलनी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी का 'झाड़ू' पंजाब की राजनीतिक व्यवस्था की सफाई कर रहा है, जबकि अकाली दल और कांग्रेस दशकों तक अपने हित साधने के बाद अब राजनीतिक अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सत्ता में रहते हुए ये दल एक-दूसरे के हितों की रक्षा करते थे, जिसके कारण इनके कथित कुकर्म सामने नहीं आ सके। उन्होंने दावा किया कि अब जनता ने बदलाव चुना है और पंजाब की राजनीति में जवाबदेही का नया दौर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि अकाली और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, जिन्हें जनता की नहीं बल्कि अपने राजनीतिक हितों की चिंता रही है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अकाली नेतृत्व की आलोचना करते हुए कहा कि जिन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष झूठ बोला, वे किसी के भी वफादार नहीं हो सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि अकाली दल ने अपने राजनीतिक हितों के लिए धर्म का इस्तेमाल किया और बेअदबी के मामलों में भी गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि बेअदबी की घटनाओं ने करोड़ों लोगों की भावनाओं को आहत किया और उनकी सरकार ने ऐसे अपराधों को रोकने के लिए सख्त कानून बनाया है।

### शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव का दावा

भगवंत मान ने कहा कि राज्य में स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए गए हैं, जहां आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब ने राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में देश में पहला स्थान हासिल किया है।

### फगवाड़ा के विकास के लिए 18 करोड़ रुपये की घोषणा

मुख्यमंत्री ने फगवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 18 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट देने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र के लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े और स्थानीय स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने कहा कि 'लोक मिलनी' कार्यक्रम राजनीति का मंच नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच संवाद का माध्यम है। राज्य सरकार का उद्देश्य विकास, पारदर्शिता और लोगों की खुशहाली सुनिश्चित करना है।

**67 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी**

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने अब तक 67 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं और सभी नियुक्तियां पूरी तरह योग्यता के आधार पर हुई हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी भर्ती को अदालत में चुनौती नहीं मिली, जो प्रक्रिया की पारदर्शिता को दर्शाता है।

**कांग्रेस पर भी बोला हमला**

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को आंतरिक कलह से जूझती पार्टी बताते हुए कहा कि उसके पास पंजाब और जनता के लिए कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का एकमात्र उद्देश्य सत्ता हासिल करना रहा है, लेकिन जनता अब उसके इरादों को समझ चुकी है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

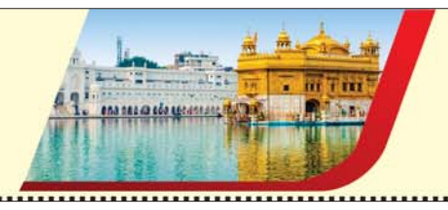

## संक्षिप्त न्यूज

### बठिंडा स्थित बीसीएल शराब फैक्ट्री में लगी भयानक आग

*उठा काला धुआं, लोगों को सांस लेने में हो रही दिक्कत*

**बठिंडा ( ब्यूरो )**- पंजाब में शराब फैक्ट्री में भयानक आग लगने की खबर सामने आ रही है। खबर है कि बठिंडा के मसाना स्थित बीसीएल शराब फैक्ट्री में भीषण आग लग गई।

जानकारी के मुतबिक बठिंडा के मसाना स्थित बीसीएल शराब फैक्ट्री में आग लग गई। आग लगने के बाद फैक्ट्री परिसर से घना काला धुआं उठा, जो आसपास के कई गांवों और इलाकों में फैल गया। इससे स्थानीय लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है।

वहीं सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। वहीं आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चला है। प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने सांस लेने में दिक्कत की शिकायत की है। अस्थमा के मरीजों, बच्चों और बुजुर्गों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इलाके की हवा की गुणवत्ता की तत्काल जांच करवाने और स्वास्थ्य संबंधी प्रबंध करने की मांग की है।

### पंजाब में यूके भेजने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी, पुलिस ने दर्ज किया मामला

**दीनानगर ( ब्यूरो ):** पंजाब में विदेश भेजने के नाम पर लगातार फ्रॉड करने के मामले बढ़ते जा रहे है। आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते है यहां फर्जी ट्रैवल एजेंटों द्वारा विदेश भेजने का झांसा देकर उनसे लाखों रुपए ठग लेते है। ऐसा ही एक मामला सामने आ रहा है।

जानकारी के मुताबिक विधानसभा हलका दीनानगर में फर्जी ट्रैवल एजेंटों द्वारा यू.के. (UK) भेजने देकर के नाम पर 41 लाख 50 हजार की ठगी गई है। वहीं थाना दौरांगला की पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस जांच अधिकारी गुरनाम सिंह के अनुसार, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (लोकल) गुरदासपुर की जांच के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने यूके भेजने का झांसा देकर भारी रकम ऐंठ ली। शिकायतकर्ता ने बताया कि कमलजीत सिंह निवासी सुल्तानी, उनके बेटे रूपिंदरजीत सिंह और भतीजे करनजीत सिंह पर विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने का आरोप है। मामले की जांच के बाद पुलिस ने प्रीतम सिंह, अमनदीप सिंह निवासी बाला पिंडी और तलविंदर सिंह निवासी चक्कराजा के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

### रिट्रीट सेरेमनी के समय में हुआ बदलाव

**फिरोजपुर ( ब्यूरो )**- हुसैनीवाला संयुक्त चेक पोस्ट पर आयोजित होने वाली रिट्रीट सेरेमनी को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर है कि रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ (BSF) ने हुसैनीवाला संयुक्त चेक पोस्ट पर आयोजित होने वाली रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया है। वहीं अब ये सेरेमनी शाम 6:30 बजे से 7:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। बता दे कि मौसम के बदलाव को देखते हुए बीएसएफ ने ये फैसला लिया है।

### मनसूरिया कुंगफू इंटरनेशनल एसोसिएशन द्वारा 20-21 जून को 'नेशनल ट्रेनिंग कैंप' का आयोजन

**जालंधर( कुलदीप सिंह )**- मनसूरिया कुंगफू इंटरनेशनल एसोसिएशन की ओर से जालंधर के मकसूदां स्थित विजय रिजॉर्ट में 20 और 21 जून, 2026 को दो दिवसीय 'नेशनल ट्रेनिंग कैंप' का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में पंजाब के मास्टर सिफू टी.के. नरजरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के दौरान ग्रैंड मास्टर शी शिफू शांति कुमार सिंह (8वीं डिग्री ब्लैक बेल्ट), ग्रैंड मास्टर शी शिफू तारन कुमार नरजरी (ग्रैंड मास्टर ऑफ पंजाब), शी शिफू बिप्लब आचार्य (ग्रैंड मास्टर, असम), शिफू अभिषेक विश्वास (मास्टर, त्रिपुरा), शिफू उमा कांत बहेरा (मास्टर, ओडिशा), सिफू प्रमोद तिवारी (मास्टर, उत्तर प्रदेश) तथा पंकज कुमार (मास्टर, हिमाचल प्रदेश) खिलाड़ियों को कुंगफू और कराटे की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान आत्मरक्षा, अनुशासन और शारीरिक फिटनेस से संबंधित विशेष जानकारी भी दी जाएगी।

इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मास्टरों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे, जबकि योग्य खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के अनुसार बेल्ट प्रदान की जाएंगी। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों से समय पर पहुंचकर इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर एवं सम्मान समारोह को सफल बनाने की अपील की है।

## मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 38 किलोमीटर लंबी धुसी बांध लिंक सड़क का किया शिलान्यास, 15 गांवों को मिलेगा बड़ा लाभ

» प्रथम न्यूज । शाहकोट (जालंधर)

19 जून ( ब्यूरो )

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सतलुज नदी के किनारे बसे क्षेत्रों को बाढ़ के खतरे से सुरक्षित करने और शाहकोट-लोहियां क्षेत्र में बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 61.82 करोड़ रुपये की लागत वाली 37.93 किलोमीटर लंबी धुसी बांध लिंक सड़क परियोजना का शिलान्यास किया। यह सड़क शाहकोट-मोगा-रामपुर रोड को गिद्दड़पिंडी धुसी बांध से जोड़ेगी और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शाहकोट और लोहियां क्षेत्र के लोग वर्षों से सतलुज नदी में आने वाली बाढ़ की समस्या से जूझ रहे थे, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि यह सड़क धुसी बांध को और मजबूत करेगी तथा बाढ़ के दौरान सुरक्षा कवच के रूप में काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना से लगभग 15 गांवों के 15 से 16 हजार लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह सड़क शाहकोट-मोगा रोड और लोहियां-मक्खू रोड को जोड़ते हुए एक प्रभावी बाईपास का कार्य करेगी, जिससे यातायात का दबाव कम होगा और लोगों की आवाजाही आसान बनेगी। विशेष रूप से बरसात के मौसम में किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य में मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में 43 हजार किलोमीटर उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों का निर्माण और उन्नयन किया जा रहा है ताकि विकास को नई गति मिल सके।

मुख्यमंत्री मान ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक 67 हजार से अधिक युवाओं को पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां दी गई हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में करीब 990 आम आदमी क्लीनिक लोगों को मुफ्त दवाइयां और जांच सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं, जिनसे अब तक 5.54 करोड़ से अधिक मरीज लाभान्वित हो चुके हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा 19 टोल प्लाजा बंद किए जाने से लोगों के प्रतिदिन लगभग 70 लाख रुपये की बचत हो रही है। साथ ही 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री मावां-धियां सत्कार योजना तथा प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज उपलब्ध कराने वाली मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना भी शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार केवल घोषणाएं नहीं करती, बल्कि किए गए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संत बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## वेदांता आयरन एंड स्टील ने इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग का ऐलान किया

**मानसा ( जगमीत घुम्मन )**- वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड) ने बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर अपने इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग का ऐलान किया है। यह स्वतंत्र और संसाधनों से युक्त आयरन ओर एवं स्टील कंपनी के रूप में इसके एक नए अध्याय की शुरुआत की है।

इस लिस्टिंग से निवेशकों को भारत के तेजी से उभरते इंटीग्रेटेड आयरन ओर एवं स्टील प्लेटफॉर्म में से एक से सीधे जुड़ने का मौका मिलेगा। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जबकि देश का स्टील सेक्टर एक अप्रत्याशित विस्तार के चरण में कदम रख रहा है।

भारत की स्टील उत्पादन क्षमता 2030 तक बढ़कर 30 करोड़ टन होने का अनुमान है। अभी यह क्षमता करीब 20 करोड़ टन है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे, एनर्जी, डिफेंस एवं शहरीकरण के क्षेत्र में लगातार निवेश से यह विकास संभव होगा।

के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक पंकज कुमार शर्मा ने कहा, वीआईएसएल की लिस्टिंग कंपनी के लिए विकास के एक नए चरण की शुरुआत है। हम भारत में सबसे ज्यादा इंटीग्रेटेड रिसोर्स से भरपूर आयरन ओर एवं स्टील ग्रोथ प्लेटफॉर्म में से एक की स्थापना कर रहे हैं।

## परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध

**जालंधर, 19 जून ( डोगरा )**- अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट अमनइंदर कौर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में 21 जून, 2026 को होने वाली NEET परीक्षा के मद्देनजर, परीक्षा केंद्रों के आसपास 100 मीटर के दायरे में पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

यह आदेश परीक्षार्थियों, ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों और अन्य अधिकृत व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा। यह आदेश 21-06-2026 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक लागू रहेगा।

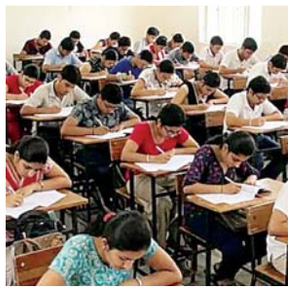

## बेगमपुरा टाईगर फोर्स ने पटियाला में हुए लाठीचार्ज के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम भेजा मांग पत्र

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर

19 जून ( तरसेम दीवाना )

अपने हकों और रोज़गार की मांग को लेकर पटियाला में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे बेरोजगार अप्रेंटिस लाइनमैनों पर पंजाब पुलिस द्वारा किए गए अंधाधुंध लाठीचार्ज के विरोध में बेगमपुरा टाइगर फोर्स के हल्का शाम चुरासी के प्रधान बंटी हरियाणा की अध्यक्षता में तहसील भुंगा (होशियारपुर) के नायब तहसीलदार राज कुमार द्वारा मुख्यमंत्री पंजाब को एक मांग पत्र भेजा गया। मांग पत्र में फोर्स ने इस घटना के लिए जिम्मेदार डी.आई.जी. रेंज पटियाला, एस.एस.पी. पटियाला डी.एस.पी. संजीव सिंगला पटियाला, और एस.डी.एम. पटियाला के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

**पुलिस की बर्बरता पर उठाए सवाल :** बेगमपुरा टाइगर फोर्स के नेताओं ने बताया कि पटियाला पुलिस के डी.एस.पी. संजीव सिंगला और उनके कर्मचारियों द्वारा बेरोजगारों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया है, जिसने प्रदेश के हर संवेदनशील व्यक्ति की रूह को कंपा दिया है। उन्होंने मांग की कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ माननीय हाईकोर्ट और मानवाधिकार आयोग (Human Rights Commission) में नामज़द (By Name) केस दर्ज किए जाएं।

उन्होंने आरोप लगाया कि लाठीचार्ज के दौरान एक पुलिस कर्मचारी ने नौजवान का मोबाइल फोन छीन लिया था। जब उसने फोन वापस मांगा, तो डी.एस.पी. संजीव सिंगला ने कानून की धज्जियां उड़ाते हुए उसकी बर्बरता से पिटाई की, जो कि सरासर मानवाधिकारों का हनन है।

**सरकार को याद दिलाए चुनाव वादे :** नेताओं ने आम आदमी पार्टी की सरकार को चुनावों के समय किए वादे याद दिलाते हुए कहा कि सत्ता में आने से पहले भगवंत मान दावे करते थे कि उनकी सरकार आने पर किसी को धरने नहीं लगाने पड़ेंगे और हरे पेन से नौकरियों की बौछार की जाएगी। पर आज हरे पेन की जगह बेरोजगारों को पुलिस की लाठियां मिल रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद सरकार द्वारा कोई बयान न आना बेहद निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतंत्र देश है, जहां हर नागरिक को अपने हकों के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का संवैधानिक अधिकार है। प्रदर्शनकारी नौजवान कोई आतंकवादी नहीं हैं, वे पढ़-लिखकर सिर्फ रोज़गार मांग रहे हैं क्या सरकार से रोज़गार मांगना गुनाह है?

**पुलिस की दोहरी नीति पर निशाना :** पुलिस प्रशासन पर दोहरी नीति का आरोप लगाते हुए फोर्स के नेताओं ने भाजपा नेता रवनीत बिट्टू की पिछली घटना का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि जब रवनीत बिट्टू ने एस.एस.पी. को सरेआम धमकाया था, तब पुलिस की लाठी और ज़ुबान क्यों बंद थी? पुलिस प्रशासन सिर्फ गरीब और बेसहारा नौजवानों पर ही अपना वर्दी का रौब डालता है, जबकि सियासी नेताओं के सामने बेबस हो जाता है। निहत्थे नौजवानों पर बरसाई गई यह डंडे मौजूदा सरकार की उल्टी गिनती की शुरुआत हैं।

**मांग पत्र में प्रमुख मांगें :** नेताओं ने कहा कि एस.डी.एम. पटियाला द्वारा लाठीचार्ज के दिए गए आदेशों (ऑर्डर) की कॉपी तुरंत सार्वजनिक की जाए। और डी.एस.पी. संजीव सिंगला को बिना किसी देरी के तुरंत नौकरी से बर्खास्त (Dismiss) किया जाए। उन्होंने कहा कि इस हिंसक कार्रवाई में शामिल बाकी पुलिस कर्मचारियों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ तुरंत बनती धाराओं के तहत एफ.आई.आर. (FIR) दर्ज करके कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। इस मौके पर अन्योन्य के अलावा रमन कुमार, सुखविंदर सिंह, बलवीर सिंह आदि हाजिर थे!

## पतंजलि योग समिति और जीरा विकास परिषद ने तीन दिवसीय योग शिविर शुरू किया

» प्रथम न्यूज । जीरा

19 जून ( अंग्रेजी बराड़ )

योग महा दिवस के उपलक्ष्य में पतंजलि योग समिति और जीरा विकास परिषद द्वारा तीन दिवसीय योग शिविर का आरंभ किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जीरा विकास परिषद के संरक्षक, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सुखदेव बिट्टू विजय, अध्यक्ष चरणजीत सिंह सोनू और पतंजलि योग समिति के अध्यक्ष, योग गुरु गुरदीप सिंह कानूनगो ने बताया कि आज का मनुष्य अपने व्यस्त जीवन के कारण बीमार पड़ रहा है।

इसी को देखते हुए जीरा विकास परिषद और योग समिति के संयुक्त प्रयासों से जीरा के फिरोजपुर रोड स्थित श्री जीवन मॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल फॉर बॉयज में 19 से 21 जून, 2026 तक तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में शामिल होने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिविर का समापन 21 जून, 2026 को होगा, जिसका समय सुबह और शाम 5:15 से 6:15 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से योग के माध्यम से बीमारियों से बचने की अपील करते हुए कहा कि इस योग शिविर में शामिल होकर हर बीमारी का इलाज योग से संभव है। उन्होंने कहा कि अवसाद, उच्च रक्तचाप, गर्दन की समस्या आदि जैसी बीमारियों का इलाज बिना दवा लिए योग के माध्यम से किया जा सकता है।

इस अवसर पर गुरदीप सिंह योग गुरु, सुखदेव बिट्टू विज नगर परिषद जीरा के पूर्व उपाध्यक्ष, चरणप्रीत सिंह सोनू अध्यक्ष, जगदेव शर्मा महासचिव, गुरबख्श सिंह विज, पुष्पिंदर सिंह हैप्पी कैशियर, तरसेम लाल जुनेजा चेयरमैन, दीपक विज, डॉ. प्रदीप वर्मा, राम प्रकाश सेवानिवृत्त एसपी, बंटी गुलाटी आदि उपस्थित थे।

## एक महिला सहित 5 आरोपी 25 ग्राम 48 मिलीग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार

**थाना तिब्बड़, धारीवाल, दीनानगर और बहरामपुर पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाइयों में तस्करों को दबोचा**

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

19 जून ( संदीप सन्नी )

गुरदासपुर पुलिस ने जिले के विभिन्न थानों के अंतर्गत एक महिला सहित पांच आरोपियों को भारी मात्रा में हेरोइन के साथ गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

जानकारी देते हुए आदित्य एसएसपी गुरदासपुर ने बताया कि पुलिस टीमों ने मुस्तैदी दिखाते हुए चार अलग-अलग थानों के तहत यह कार्रवाई की है-

विभिन्न थानों द्वारा की गई कार्रवाई और बरामदगी का विवरण-

**1. थाना तिब्बड़ :** पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए बरिंदर सिंह नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 6 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ थाना तिब्बड़ में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी)-61-85 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

**2. थाना धारीवाल :** एक अन्य सफलता में पुलिस टीम ने गुरविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। इस आरोपी के पास से 10 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

आरोपी के खिलाफ थाना धारीवाल में धारा 21(बी)-61-85 के तहत मुकदमा दर्ज रजिस्टर किया गया है।

**3. थाना दीनानगर :** दीनानगर पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए साबर कुमार नामक आरोपी को दबोचा है। इसके कब्जे से 5 ग्राम 48 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

आरोपी के खिलाफ थाना दीनानगर में धारा 21(बी)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

**4. थाना बहरामपुर :** नशे के खिलाफ इस मुहिम के तहत बहरामपुर पुलिस टीम ने लवप्रीत और एक महिला को गिरफ्तार किया है। इन दोनों के पास से 4 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। इन आरोपियों के खिलाफ थाना बहरामपुर में धारा 21(ए)-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अगली कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

## जिला रोजगार कार्यालय गुरदासपुर में लगे विशाल रोजगार मेले में उमड़ी युवाओं की भारी भीड़; विभिन्न पदों के लिए दिए इंटरव्यू

**एजाइल कंपनी, एक्सिस बैंक, मैक्सकस और एसआईएस जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने मौके पर की योग्य उम्मीदवारों को चुना**

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

19 जून ( संदीप सन्नी )

पंजाब सरकार की घर-घर रोजगार योजना की गाइडलाइंस के अनुसार, बेरोजगार युवाओं को रोजगार के नए व सुनहरे अवसर प्रदान करने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिला रोजगार और कारोबार ब्यूरो, गुरदासपुर में एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया गया। ब्यूरो के कमरा नंबर 217 में आयोजित इस विशेष मेले की अध्यक्षता जिला रोजगार अधिकारी पुरुषोत्तम सिंह चिब्ब द्वारा की गई, जबकि पूरे कार्यक्रम की देखरेख जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा ने बेहद कुशल और सुव्यवस्थित प्रशासनिक ढंग से पूरी करवाई।

इस रोजगार मेले की सबसे खास बात यह रही कि जिले भर के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों से आए सैकड़ों युवा लड़के-लड़कियों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। मेले की शुरुआत में गगनदीप सिंह धालीवाल द्वारा बेहद सुनियोजित तरीके से पहुंचे हुए सभी उम्मीदवारों की ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करवाई गई, ताकि इंटरव्यू देने आए किसी भी प्रार्थी को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

**नामी कंपनियों ने पारदर्शी तरीके से की योग्य उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया**

इस रोजगार मेले के दौरान देश की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के उच्च अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से पहुंचकर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए एक पारदर्शी इंटरव्यू प्रक्रिया चलाई। इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा ने बताया कि मेले में आई कंपनियों ने विभिन्न पदों के लिए इंटरव्यू लिए, जिनका विवरण इस प्रकार है

**एजाइल कंपनी :** इस नामी कंपनी द्वारा 100 एडवाइजर और 10 मैनेजर के विभिन्न प्रतिष्ठित पदों के लिए मौके पर ही इंटरव्यू आयोजित किए गए।

**एक्सिस बैंक :** बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के इस प्रमुख बैंक द्वारा 6 सहायक प्रबंधकों के महत्वपूर्ण पदों के लिए चयन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक चलाया गया।

**मैक्सकस कंपनी :** आधुनिक दौर की जरूरतों और डिजिटल युग को ध्यान में रखते हुए इस कंपनी द्वारा शिक्षित युवाओं को वर्क फ्रॉम होम के शानदार अवसर प्रदान किए गए।

**एस.आई.एस. कंपनी :** सुरक्षा क्षेत्र की इस जानी-मानी कंपनी द्वारा सिक्योरिटी गार्डों की बड़े पैमाने पर भर्ती करने के लिए उम्मीदवारों के लिखित और शारीरिक मापदंडों के आधार पर इंटरव्यू आयोजित किए गए।

**हुनर, सही मार्गदर्शन और व्यावहारिक अनुभव ही सफलता की असली चाबी**

रोजगार मेले के दौरान युवाओं को प्रेरित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा और जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि आज के इस अत्यधिक कंपटीशन दौर में सिर्फ किताबी ज्ञान या डिग्रियां ही काफी नहीं हैं, बल्कि मौजूदा समय में हुनर, सही मार्गदर्शन और व्यावहारिक अनुभव ही सफलता की असली चाबी हैं।

उन्होंने युवा पीढ़ी से अपील करते हुए कहा युवाओं को अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद घर बैठने की बजाय ऐसे रोजगार मेलों और इंटरव्यू में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। ऐसे मंचों पर आने से न केवल सीधे तौर पर रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं, बल्कि प्रार्थियों के अंदर से इंटरव्यू का डर खत्म होता है, उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और उन्हें औद्योगिक जगत की वास्तविक जरूरतों को समझने का कीमती तजुर्बा हासिल होता है।

**भविष्य में भी जारी रहेंगे ऐसे फ्री प्रयास**

उन्होंने आगे बताया कि जिला प्रशासन और जिला रोजगार व कारोबार ब्यूरो, गुरदासपुर द्वारा भविष्य में भी युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने, उनका करियर संवारने और बेरोजगारी के खात्मे के लिए समय-समय पर ऐसे मुफ्त रोजगार मेलों, स्व-रोजगार लोन कैंपों और विशेष काउंसलिंग सत्रों का आयोजन निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि जिले का कोई भी योग्य व होनहार युवा रोजगार के अवसरों से वंचित न रहे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज

### गोयला स्कूल में एन्टी चिट्टा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**पट्टा मेहलोग ( तारा ):** यूवाओं को नशे के जाल से बचाने और समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोयला में एक विशेष एंटी-चिट्टा (नशा विरोधी) जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी पट्टा कुलदीप सिंह ने की।

इस दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों को चिट्टा (सिंथेटिक ड्रग्स) जैसी घातक नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों और उनके सामाजिक व आर्थिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा, चिट्टा हमारे समाज और विशेषकर युवा पीढ़ी को खोखला कर रहा है। छात्र हमारे देश का भविष्य हैं। उन्हें किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा को शिक्षा, खेल और रचनात्मक कार्यों में लगाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने परिवार, दोस्तो व पड़ोसियों को नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे जागरूक करने के लिए प्रेरित किया तथा अपील की, कि वे चिट्टे के खिलाफ अपने आस-पास किसी भी प्रकार की नशीली गतिविधियों को देखें, तो विद्यालय में स्थापित एंटी चिट्टा बॉक्स के अंदर इस बारे सूचना अपनी पहचान लिखे बिना डालें। कार्यक्रम के अंत में खंड विकास अधिकारी द्वारा सभी शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को जीवन में कभी भी नशा न करने और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय धीमान ने इस सफल आयोजन के लिए खंड विकास अधिकारी और उनकी टीम का धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों तथा समस्त स्टाफ के इलावा पंचायत गोयला की नवनिर्वाचित प्रधान निर्मला देवी, उप प्रधान गुरुदेव सिंह ,वार्ड सदस्य रक्षा देवी, पंचायत सचिव मीरा, ग्राम रोजगार सेवक कृष्ण दत्त, राजकीय केंद्र प्राथमिक पाठशाला गोयला के मुख्याध्यापक रामानंद मेहता व उनके विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

### बढलग स्कूल में मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

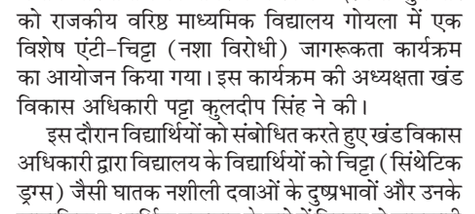

**पट्टा मेहलोग ( तारा ) :** शिक्षा खंड कुठाड के तहत रावमावि बढलग के प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने वर्ष 2026 में बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल करने वाले छात्रों को सम्मानित कर शिक्षा के क्षेत्र में उनका गौरव व मनोबल बढ़ाया है।विद्यालय के डीपी सुभाष चंद ने बताया कि विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार ने विद्यालय के 7 छात्रों को सम्मानित किया व उन्हें स्टडी टेबल भेंट किए। इन छात्रों में दीपिका और मोहित आठवीं कक्षा व सिमरन, दिव्यांशी,आयुषी,रितिका व सौरव 10 वी कक्षा के छात्र हैं, इन्होने बोर्ड की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक हासिल कर अपने स्कूल शिक्षकों व अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया है।उनकी इस उपलब्धि से प्रभावित होकर विद्यालय प्रशासन ने उन्हें सम्मानित किया,ताकि विद्यालय के अन्य छात्र भी इनसे प्रेरणा लेकर अपने सपने साकार कर सकें। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक महेंद्र सिंह,सुभाष चंद,कमलेश कुमारी,मीना कुमारी,पद्मदेव, ईश्वर दत्त,बबीता,लाजो देवी,शिल्पा,ज्योति,धर्मपाल,प्रकाश चंद व नीता कुमारी ने भी उनकी सराहना कर उन्हें शुभ कामनाएं दी।

### शिविर में 82 रोगियों के दांतों की जांच की

#### निर्मला निकेतन इंस्टीच्यूट ज्योति किरण ने प्रवासी कामगारों के लिए लगाया दंत जांच शिविर

**बद्दी, 19 जून ( तारा ) -** बद्दी के सिक्का होटल के साथ लगते स्लम एरिया के प्रवासी कामगारों के लिए निर्मला निकेतन इंस्टीट्यूट ज्योति किरण ने भोजिया डेंटल कालेज की सहयोग से दंत चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में 82 प्रवासी कामगारों की जांच कर उन्हें मुफ्त दवाईयां बांटी गई।

संस्था की डायरेक्टर मिस मेरी ने बताया कि शिविर में भोजिया डेंटल कालेज के दंत चिकित्सक डा. अभिजीत साक्षी, जसप्रीत व शिवांशी ने रोगियों की जांच कर उन्हें मुफ्त दवाईयां बांटी। शिविर में अधिकांश कामगारों को नशीले पदार्थ खाने से दांत खराब पाए गए। इन रोगियों को 31 तक कालेज में अपने दांत ठीक करने के लिए बुलाया गया। इस दौरान इन कामगारों को उपचार में छूट का भी प्रावधान किया गया है।

मिस मेरी ने बताया कि संस्था की ओर से स्लम एरिया के रहने वाले कामगारों के लिए समय समय पर शिविर लगाए जाते है। इससे भी भी स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें कामगारों का मुफ्त उपचार किया गया। भविष्य में भी यहां पर अन्य शिविर भी लगाए जाएंगे। इस मौके पर संस्था की समन्वयक कल्पना, फील्ड स्टाफ में राहुल व धीरज भी उपस्थित रहे।

## संवेदनशील सरकार का बड़ा फैसला

# दुख की घड़ी में बनी सहारा, स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 3 परिवारों को अनुकंपा आधार पर दी नौकरी

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला

19 जून ( बी.शर्मा )

जब परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटता है, तब सबसे बड़ी जरूरत सहारे की होती है। ऐसे कठिन समय में हिमाचल प्रदेश की संवेदनशील सरकार ने तीन परिवारों को संबल देने का काम किया है। बात हो रही है, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला की। बोर्ड ने अनुकंपा के आधार पर तीन जरूरतमंद परिवारों को सरकारी नौकरी प्रदान की है। वीरवार को मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू जी ने तीनों परिवारों के आश्रितों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

ऊना जिला के हरदयाल सिंह, जिन्होंने कम उम्र में ही माता-पिता दोनों को खो दिया, आज अपने परिवार की पूरी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। सरकार ने उनकी स्थिति को समझते हुए उन्हें जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के पद पर नियुक्ति दी है। कांगड़ा की शिवानी, जिनके पति का सेवाकाल के दौरान निधन हो गया और पीछे

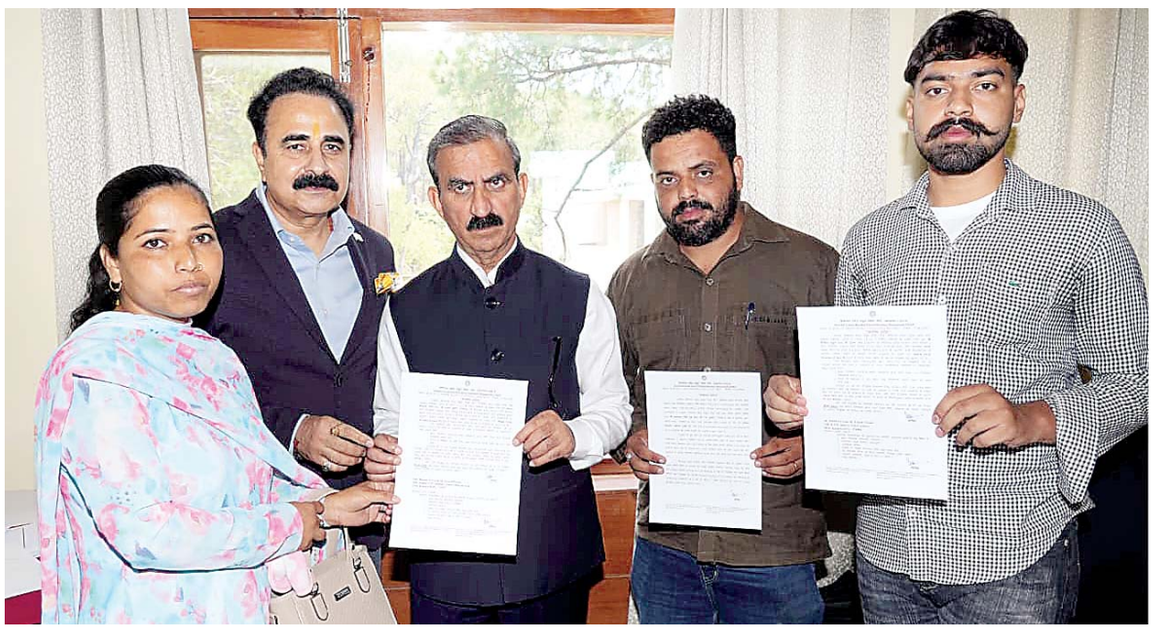

छूट गईं तीन मासूम बेटियांज आज उनके सामने जीवनयापन की बड़ी चुनौती थी। लेकिन, अब सरकार ने उन्हें मल्टी टास्क वर्कर के पद पर नियुक्त कर उनके परिवार को नई उम्मीद दी है।

इसी तरह इंदौरा के निखिल के पिता के निधन के बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी, उन्हें भी मल्टी टास्क वर्कर के रूप में रोजगार दिया गया है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू जी का कहना है कि जब इरादे नेक हों, तो सरकार सिर्फ फैसले ही नहीं लेती, परिवारों का भविष्य भी संवारती है। कठिन समय में साथ खड़ी सरकार ही असली जनसेवक होती है।

इस अवसर पर बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा भी मौजूद रहे। डॉ. राजेश ने कहा कि उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री से नियुक्ति पत्र प्रदान करने का आग्रह किया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। वर्तमान सरकार अनुकंपा के आधार पर तत्परता से नियुक्तियां प्रदान कर रही है। जिनका कोई नहीं, वर्तमान सरकार उनकी माता भी है और पिता भी।

# वित्तीय संकट से जूझ रहा हिमाचल प्रदेश

## 700 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने की तैयारी

» प्रथम न्यूज । शिमला

19 जून ( एएम नाथ )

राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद होने से हिमाचल प्रदेश में गंभीर वित्तीय संकट खड़ा हो गया है। हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि प्रतिबद्ध देनदारियों (वेतन, पेंशन व पुराना ऋण चुकाने) को पूरा करने के लिए सुक्खू सरकार एक बार फिर बाजार से 700 करोड़ रुपये का ऋण उठाने की तैयारी में है।

इससे ठीक एक महीने पहले मई माह में भी सरकार ने 500 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। वित्त विभाग ने इस नए ऋण से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। सरकार को हर महीने अपने तयशुदा खर्चों (देनदारियों) को निपटाने के लिए करीब 2,800 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि की आवश्यकता रहती है।

हर महीने वेतन-पेंशन के लिए 2,000 करोड़, पुराने ऋण का ब्याज चुकाने के लिए 500 करोड़

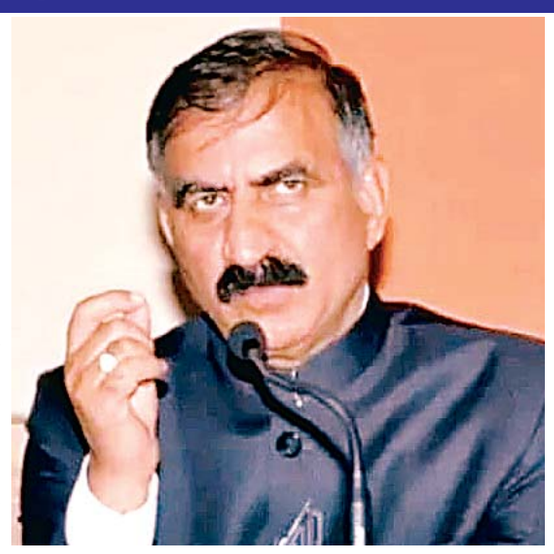

और मूलधन का भुगतान करने के लिए 300 करोड़ की जरूरत रहती है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान सरकार ने पहले ही 900 करोड़ रुपये के ऋण के लिए आवेदन किया हुआ है। इस नई उधारी के बाद राज्य पर कुल कर्ज का बोझ 1,11,200 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

**जून में मिलेगा रोका गया वेतन, बढ़ेगा अतिरिक्त वित्तीय बोझ**

इस वित्तीय तंगी के बीच सरकार पर जून के महीने में एक और बड़ा वित्तीय भार पड़ने वाला है।

बीते 18 अप्रैल, 2026 को सरकार ने कुछ श्रेणियों के कर्मचारियों का वेतन स्थगित (डेफर) कर दिया था।

अब राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद, इस रोके गए वेतन का भुगतान जून महीने की वेतन के साथ ही किया जाना है।

वित्त विभाग ने इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं, जिससे जून के महीने में ट्रेजरी (खजाने) पर दबाव और ज्यादा बढ़ जाएगा।

# नीट-2026 अभ्यर्थियों को बड़ी राहत, HRTC बसों में 3 दिन मुफ्त सफर

## एडमिट कार्ड दिखाएं, परीक्षा केंद्र तक फ्री यात्रा करें

» प्रथम न्यूज । ऊना

19 जून ( एएम नाथ )

नीट-2026 परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार ने बड़ी राहत की घोषणा की है। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि 20 जून से 22 जून तक नीट परीक्षा देने जा रहे छात्र-छात्राएं हिमाचल पथ परिवहन निगम (HRTC) की साधारण बसों में निशुल्क यात्रा कर सकेंगे।

यह सुविधा परिवहन मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के निर्देश पर उपलब्ध कराई जा रही है।

एचआरटीसी मुख्यालय की ओर से सभी इकाई अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। 21 जून को आयोजित होने वाली हृश्वश्वञ्ज-2026 परीक्षा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल होंगे। ऐसे में सरकार का यह फैसला विद्यार्थियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। एचआरटीसी के निर्देशों के अनुसार अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड के आधार पर अपने निवास स्थान से परीक्षा केंद्र तक एक बार जाने और परीक्षा समाप्त होने के बाद एक बार वापस लौटने की निशुल्क यात्रा कर सकेंगे। एडमिट कार्ड ही पहचान, निवास स्थान और परीक्षा केंद्र के प्रमाण के रूप में मान्य होगा। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश के कई विद्यार्थी दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचते हैं। विद्यार्थियों और अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है ताकि किसी भी अभ्यर्थी को परिवहन संबंधी परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि छात्र बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक बोझ और तनाव के परीक्षा में शामिल हों और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने सभी NEET अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की इस पहल से हजारों विद्यार्थियों और उनके परिवारों को राहत मिलेगी तथा परीक्षा केंद्रों तक पहुंचना अधिक सुगम हो सकेगा।

# सिरमौर के भाजपा समर्थित जिला परिषद सदस्यों ने जयराम ठाकुर से की शिष्टाचार भेंट

» प्रथम न्यूज । शिमला

19 जून ( एएम नाथ )

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि आज जिला सिरमौर के भाजपा समर्थित विजयी जिला परिषद जनप्रतिनिधियों ने राजगढ़ की विधायक रीना कश्यप, शिलाई के पूर्व विधायक बलदेव तोमर तथा जिला सिरमौर के सभी मंडल अध्यक्षों के साथ उनके आधिकारिक आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर जयराम ठाकुर ने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को जीत की बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों, कार्यशैली और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश विकास, सुशासन और जनसेवा के पक्ष में आया है। जयराम ठाकुर ने विश्वास जताया कि सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने-अपने क्षेत्रों के विकास तथा जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन और जनप्रतिनिधि मिलकर प्रदेश के विकास तथा जनता के हितों की मजबूती से आवाज उठाते रहेंगे।

# राहुल गांधी जी के जन्मदिवस पर आईजीएमसी के कैंसर अस्पताल में लंगर सेवा का आयोजन

» प्रथम न्यूज । शिमला

19 जून ( बी.शर्मा )

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आदरणीय राहुल गांधी जी के जन्मदिवस के अवसर पर आज इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी), शिमला के कैंसर अस्पताल में लंगर सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों एवं उनके परिजनों को भोजन वितरित किया गया तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव विनोद जिंटा ने कहा कि राहुल गांधी जी सदैव गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद लोगों की आवाज़ को मजबूती से उठाते रहे हैं। उनके जन्मदिवस पर सेवा कार्यों का आयोजन करना कांग्रेस पार्टी की जनसेवा की भावना को और सशक्त बनाता है। इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष (प्रशासन) अमित नंदा, ओएसडी प्रोटोकॉल हिमाचल सरकार सौरव चौहान राजनीतिक सचिव विकास कालटा, प्रदीप सूर्या, सोनिया चौहान, यशपाल तनाइक सतीश राठौर, अक्षत नंदा, वीरेंद्र शर्मा सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं जनसेवा से परिपूर्ण जीवन की कामना की।

# नशा मुक्त भारत सप्ताह के तहत बिलासपुर में जन जागरूकता अभियान को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

19 जून ( जितेंद्र गौतम )

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 17 से 26 जून, 2026 तक आयोजित किए जा रहे नशा मुक्त भारत सप्ताह के दौरान जिला बिलासपुर में जन जागरूकता गतिविधियों को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है।

**एक लाख से अधिक लोगों की सहभागिता, नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में सशक्त पहल : डीसी**

उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत अब तक जिलाभर में एक लाख से अधिक नागरिक विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय रूप से जुड़ चुके हैं। यह सहभागिता नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में जिले की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के 'चिट्टा मुक्त हिमाचल' के संकल्प को साकार करने के लिए जिला प्रशासन पूरी गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। नशा मुक्त भारत अभियान को जिला प्रशासन के 'प्रहार' कार्यक्रम से भी जोड़ा गया है, जिससे नशे के विरुद्ध जनजागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जिला के सभी उपमंडलों, पंचायतों, विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं तथा आम नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी यह संकेत देती है कि समाज नशे के खिलाफ एकजुट होकर सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि नशे के प्रति शून्य सहिष्णुता का सामाजिक वातावरण तैयार करना है। जिला के सभी विद्यालयों एवं

महाविद्यालयों में पेंटिंग, पोस्टर निर्माण, निबंध लेखन, जागरूकता रैलियां, नुक्कड़ नाटक, शपथ ग्रहण समारोह तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। वहीं विभिन्न विभागों एवं संस्थानों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई जा रही है। अभियान की प्रभावी निगरानी एवं समन्वय के लिए जिला तथा उपमंडल स्तर पर विशेष व्हाट्सएप समूह गठित किए गए हैं, जिनके माध्यम से प्रतिदिन गतिविधियों की समीक्षा की जा रही है। अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों का विवरण राष्ट्रीय पोर्टल पर भी नियमित रूप से अपलोड किया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भी नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास और आत्मअनुशासन को सुदृढ़ करता है।

उन्होंने समाज से अपील करते हुए कहा कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्तियों को अपराधी नहीं बल्कि उपचार और पुनर्वास की आवश्यकता वाले रोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। ऐसे लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में परिवार और समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिला प्रशासन द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा वर्करों के माध्यम से घर-घर पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा समय रहते आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए 22 जून को उपायुक्त कार्यालय बिलासपुर में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विभागों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

उपायुक्त राहुल कुमार ने जिला के सभी नागरिकों से 'नशा मुक्त मित्र' के रूप में इस जनआंदोलन से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों और जनसहयोग से बिलासपुर को नशामुक्त, स्वस्थ और सशक्त जिला बनाया जा सकता है ।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज़

### हरियाणा में ग्रुप-D भर्ती के लिए आवेदन शुरू

**3 जुलाई तक भर सकेंगे फॉर्म, जानें पूरी प्रक्रिया**

**चंडीगढ़ ( पुनीत महाजन )**- हरियाणा में चतुर्थ श्रेणी (ग्रुप-डी) पदों की सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की खातिर तीन साल से इंतजार कर रहे लाखों युवाओं के लिए गुरुवार (18 जून, 2026) को राहत की बड़ी खबर आई।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। शुक्रवार (19 जून, 2026) यानी आज सुबह पोर्टल खुल जाएगा, जिसके बाद युवा तीन जुलाई की रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। छह जुलाई तक शुल्क जमा कराया जा सकेगा। आवेदन में कोई गलती हुई तो सात से नौ जुलाई तक करेक्शन पोर्टल खोला जाएगा, जिससे युवा जानकारी में संशोधन कर सकेंगे।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने बताया कि परीक्षा और प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि बाद में अलग से घोषित की जाएगी। पिछड़ा वर्ग-ए (बीसी-ए), पिछड़ा वर्ग-बी (बीसी-बी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र एक अप्रैल या इसके बाद जारी किए होने चाहिए तथा आवेदन की अंतिम तिथि तक वैध होने चाहिए।

वंचित अनुसूचित जाति वर्ग (डीएससी) और अन्य अनुसूचित जाति वर्ग (ओएससी) अभ्यर्थियों के लिए प्रमाणपत्र 13 नवंबर 2024 के बाद जारी होना अनिवार्य किया गया है। इसी तरह दिव्यांग और ईएसपी श्रेणी के उम्मीदवारों के प्रमाणपत्र आवेदन की अंतिम तिथि तक वैध होने चाहिए। पूर्व सैनिक (ईएसएम) के आश्रितों के लिए पात्रता प्रमाणपत्र 20 जून 2025 या उसके बाद जारी अथवा नवीनीकृत होना जरूरी होगा। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर जाकर विस्तृत विज्ञापन और पात्रता संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

### सेरेना सरोहा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया देश का नाम रोशन

**चंडीगढ़ ( पुनीत महाजन )**- हरियाणा की उभरती तैराक सेरेना सरोहा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन करते हुए बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित होने वाली 12वीं एशियाई एज ग्रुप चैंपियनशिप-2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। महज 12 वर्ष की उम्र में हासिल की गई यह उपलब्धि खेल जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है। गुरुग्राम की प्रतिभाशाली तैराक सरेना ने आधिकारिक क्वालीफिकेशन ट्रायल्स में अपने आयु वर्ग में देश के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किए। बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्थान दिलाया। सरेना ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में 30.67 सेकंड और 100 मीटर बैकस्ट्रोक में 1 मिनट 06.63 सेकंड का समय दर्ज कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके इन शानदार समयों ने उन्हें एशियाई एज ग्रुप चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाले प्रमुख भारतीय तैराकों में शामिल कर दिया। इस उपलब्धि पर हरियाणा तैराकी संघ के प्रधान एवं सांसद धर्मबीर सिंह ने सरेना को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अनिल खत्री ने कहा कि प्रदेश के तैराक लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और निकट भविष्य में हरियाणा के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के लिए पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि 12 वर्ष की उम्र में इतनी बड़ी सफलता हासिल करना सरेना की कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण है।

सरेना की उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि एशियाई एज ग्रुप चैंपियनशिप में वह भारत की मजबूत दावेदारों में शामिल होंगी और पदक जीतने की क्षमता रखती हैं। अब पूरे हरियाणा और देश की निगाहें बैंकॉक में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां सरेना सरोहा अपने शानदार प्रदर्शन से नया इतिहास रचने की कोशिश करेंगी।

# हरियाणा सरकार के दोहरे मापदंड,बीजेपी सरकार का हमें सादगी का उपदेश और खुद कर रहे ऐशो-आरामः प्रो. संपत सिंह

**» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़**

**19 जून ( मुकेश डोलिया )**

इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय संरक्षक और हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह ने चंडीगढ़ स्थित अपने मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहे बीजेपी सरकार 15 मंत्रियों की जगह 9 मंत्रियों से भी काम चला सकती है, हरियाणा में लाखों प्रतिभाशाली और शिक्षित युवा गंभीर बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं, जबकि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों को बार-बार सेवा विस्तार देकर आकर्षक पदों पर फिर से किया जा रहा है नियुक्त, बीजेपी सरकार रिटायर्ड आईएएस की शरणस्थली बनी हुई है

इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय संरक्षक और हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह ने हरियाणा सरकार के सादगी (खर्च में कटौती) और ऊर्जा संरक्षण के हालिया आदेशों को केवल दिखावा बताया है। बीजेपी सरकार फिजूलखर्ची कम करने और ऊर्जा की बचत करने की बात कहकर मित्त व्यतत्ता का उपदेश देती है। बीजेपी सरकार एक तरफ सरकार विभागों को खर्च कम करने, बिजली बचाने और हमें रैली और जनसभा न करने की सलाह दे रही है, वहीं दूसरी तरफ वह खुद अनावश्यक और फिजूलखर्ची को बढ़ावा दे रही है। 8-10 जून तक कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के कार्यक्रम के आयोजन में प्रतिनिधियों व अधिकारियों के ऊपर चंडीगढ़ के फाइव-स्टार होटलों में करोड़ों रुपये खर्च किए। उन्होंने पूछा कि जब सरकार सादगी का उपदेश दे रही है, तो क्या इस तरह का खर्च उचित है?

इस दौरान पूर्व डीजीपी एमएस मलिक, कार्यालय सचिव नछत्तर सिंह मलहान, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सतबीर सैनी और किसान सेल के प्रदेश अध्यक्ष फूल सिंह मंजूरा मौजूद रहे।

प्रो संपत सिंह ने सुझाव दिया कि सरकार को सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओम प्रकाश चौटाला द्वारा अपनाए गए तरीके की तरह, मंत्रियों के स्टाफ और व्यवस्था का आकार छोटा करके अपना खर्च कम करना चाहिए। बीजेपी सरकार 15 मंत्रियों की जगह 9 मंत्रियों से भी काम चला सकती है। उन्होंने सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने वाले सलाहकारों और अधिकारियों की बड़ी संख्या को कम करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में लाखों प्रतिभाशाली और शिक्षित युवा गंभीर बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं, जबकि

कुछ सेवानिवृत्त और पसंदीदा आईएएस अधिकारियों को बार-बार सेवा विस्तार दिया जा रहा है और आकर्षक पदों पर फिर से नियुक्त किया जा रहा है। अधिकारियों को 2 से 3 सरकारी आवास और गाडियां मिली हुई है। बीजेपी सरकार रिटायर्ड आईएएस की शरणस्थली बनी हुई है। इन नियुक्तियों से राज्य के बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, जबकि बेरोजगार युवा आर्थिक और मानसिक तनाव झेलते रहते हैं। अगर सरकार खर्च कम करना चाहती है तो ऐसे अधिकारियों को सेवा मुक्त कर घर भेज दे।

प्रो. संपत सिंह ने आगे कहा कि लगभग 111 बोर्ड, निगमों, प्राधिकरणों, मिशनों, समितियों, विशेष उद्देश्य वाली कंपनियों और अन्य सरकारी निकायों में सेवानिवृत्त अधिकारियों और राजनीतिक रूप से नियुक्त अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, सदस्यों और सलाहकारों को नियुक्त किया गया है। उन्होंने मांग की कि ऐसी नियुक्तियों की समीक्षा की जाए और वेतन, भत्ते, कार्यालय, वाहन, आवास, स्टाफ और अन्य लाभों पर होने वाले खर्च को बचाने के लिए अनावश्यक पदों को खत्म किया जाए। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि अगर व्यवस्था बनाए रखने और खर्च कम करने के नाम पर हमारे ऊपर सार्वजनिक विरोध-प्रदर्शनों, रैलियों और सभाओं पर रोक लगा सकती है, तो सरकार को मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं के भव्य स्वागत समारोहों, कार्यक्रमों, उद्घाटन समारोहों, शिलान्यास कार्यक्रमों, सम्मेलनों, बैठकों, प्रचार अभियानों, इवेंट मैनेजमेंट कार्यक्रमों और महंगे आधिकारिक दौरों पर भी रोक लगानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कई अधिकारियों को एक से ज़्यादा सरकारी गाड़ी, दफ़्तर या घर दिए गए हैं, और ऐसी अतिरिक्त सुविधाओं को तुरंत वापस ले लिया जाना चाहिए। उनके अनुसार, मितव्ययिता का मकसद सिर्फ़ खर्च कम करने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए।

प्रो. संपत सिंह ने कहा 80 डॉलर प्रति बैरल तेल है इसके बावजूद सरकार तेल का रेट कम नही कर रही है। संपत सिंह ने कहा प्रधानमंत्री या हरियाणा के सीएम ने देश और प्रदेश की स्थिति कैसी है इस बारे कोई जानकारी नहीं दी है। प्रो. संपत सिंह ने कहा कि हरियाणा में सरकारी पैसे का फ्रॉड हुआ है। इस मामले में छोटी मछलियों को पकड़ा जा रहा है और बड़े मगरमच्छ नहीं पकड़े जा रहे।

इस मामले में एक जगह पॉलिटिकल कनेक्शन का जिक्र भी आया था। इस पूरे मामले की जांच की पूरी जानकारी सरकार को लोगों को बतानी चाहिए। जब चौटाला साहब मुख्यमंत्री थे और मैं वित्त मंत्री था तब सरकार का पीएलए अकाउंट हुआ करता था लेकिन अब निजी बैंक में खाते खोले जा रहे हैं। प्रदेश सरकार पर 4 लाख करोड़ से ज्यादा कर्ज है सरकार खुद कर्ज ले रही है जबकि निजी बैंक में दो-तीन और चार फीसदी ब्याज पर एफडी करवाई जा रही है। सरकार को इस मामले की जांच का स्टेटस लोगों को बताना चाहिए।

# हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने गांव धनानी निवासी मीनू को दिया 5 लाख का चैक

## मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में अंत्योदय की नीति से करवा रहे विकास कार्य : सुमन सैनी

**» प्रथम न्यूज । लाडवा**

**19 जून ( बृज मोहन )**

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रदेश के हर वर्ग के लिए योजनाओं बनाकर उन्हें लागू किया जा रहा है। भाजपा सरकार प्रदेश में अंत्योदय की नीति से कार्य कर रही है। सबसे पहले अंतिम व्यक्ति को लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा के प्रत्येक गांव व शहरी क्षेत्र में करोड़ों रुपए से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इन कामों के पूरा होने पर हल्के की तस्वीर पूरे प्रदेश में अलग ही नजर आएगी।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने लाडवा विधानसभा के गांव धनानी निवासी जयपाल की पत्नी मीनू को 5 लाख रुपए का चैक वितरित किया। जयपाल की खेत में काम करते समय करंट लगने से मृत्यु हो गई थी, जिन्हें मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत सहायता राशि प्रदान की गई है।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि प्रदेश के किसानों व मजदूरों की खेती का कार्य करते समय दुर्घटना की स्थिति में सरकार द्वारा मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत सहायता की जाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस योजना में संशोधन करते हुए आयु सीमा 65 वर्ष से बढ़ाकर 75 वर्ष कर दिया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों व मजदूरों को इस योजना का लाभ प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस योजना में जहरीली गैस के कारण किसी किसान या मजदूर की मृत्यु या अंग हानि होने पर भी सहायता की व्यवस्था का प्रावधान करवाया है।

इस मौके पर एसडीएम अनुभव मेहता, मीडिया कोर्डिनेटर तुषार सैनी, चेयरमैन डा. गणेश दत्त, चेयरमैन जसविंद्र जस्सी, चेयरपर्सन साक्षी खुराना, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, सचिव गुरमीत सैनी, नायब सिंह पटाक माजरा, पूनम सैनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

# शहर को स्वच्छ बनाने के लिए अधिकारी और कर्मचारी एक्टिव मोड में:अमन कुमार

**» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र**

**19 जून ( बृज मोहन )**

जिला नगर आयुक्त अमन कुमार ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर परिषद के कर्मचारी और अधिकारी और विशेष तौर पर सफाई कर्मचारी एक्टिव मोड में आकर काम कर रहे है। यह कर्मचारी जहां अलग-अलग जगहों पर जाकर गंदगी को उठा रहे है, वहीं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी कर रहे है। डीएमसी अमन कुमार ने नगर परिषद थानेसर के साथ-साथ सभी नगरपालिकाओं के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना है। इसके लिए कुरुक्षेत्र जिले के हर वार्ड में जाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए। इस शहर को स्वच्छ बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को संकल्प लेकर स्वच्छता के प्रति अपने नैतिक कर्तव्य का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के प्रयास है कि कुरुक्षेत्र को प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर बनाया जाए। इसके साथ

ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी लक्ष्य है कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाए। यह लक्ष्य और उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब समाज के प्रत्येक नागरिक का सहयोग मिलेगा। यह तभी संभव हो पाएगा जब प्रत्येक नागरिक कचरे को डस्टबिन में ही डालेंगे और घरों के कचरे को सडक़ों और गलियों में नहीं फकेंगे। डीएमसी ने कहा कि नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी राजेश ढांडा के नेतृत्व में थानेसर शहर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है और कर्मचारी प्रशासन की गाइडलाइन के अनुसार शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का काम कर रहे है। इन कर्मचारियों ने ब्रह्मसरोवर के आस पास वाले क्षेत्र व डीडी कॉलोनी व शहर की मुख्य सडक़ों पर सफाई की और गंदगी के ढेर को उठाकर डंपिंग स्थल तक पहुंचाया।

# वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व से राष्ट्र निर्माण का आह्वान, युवाओं को मिला प्रेरणा का संदेश

**» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़**

**19 जून ( पुनीत महाजन )**

द एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया, चंडीगढ़ द्वारा गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल (एनवाईसी), सेक्टर-23 ए, चंडीगढ़ में सामाजिक उत्तरदायित्व से वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व की ओर राष्ट्र निर्माण हेतु युवा मनों को प्रेरित करना विषय पर एक प्रेरणादायक एवं संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक सोच, पर्यावरणीय जागरूकता तथा सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को विकसित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ द एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष इंजीनियर हेम राज सतीजा के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने मुख्य वक्ता डॉ. जसप्रीत कौर, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ सहित सभी इंटर्न विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व का समन्वय ही सतत विकास तथा सशक्त राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। मुख्य वक्ता डॉ. जसप्रीत कौर ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में केवल सामाजिक उत्तरदायित्व पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व में परिवर्तित करने की आवश्यकता है, जहां निर्णय और कार्य शोध, प्रमाण, ज्ञान तथा पर्यावरणीय नैतिकता पर आधारित हों। उन्होंने पर्यावरणीय क्षरण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में गिरावट, अपशिष्ट प्रबंधन तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग जैसी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन समस्याओं के

समाधान में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने, आलोचनात्मक चिंतन विकसित करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने युवाओं को पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज चंडीगढ़, डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ तथा डीएवी कॉलेज करनाल के इंटर्न विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास, वैज्ञानिक जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा पर्यावरण विज्ञान में करियर की संभावनाओं से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. जसप्रीत कौर ने सरल एवं व्यावहारिक उत्तर देकर समाधान किया।

कार्यक्रम में प्रख्यात समाजसेवी मीना गुप्ता, आरडब्ल्यूए सेक्टर-10 चंडीगढ़ की बिमल कांता, श्रीमती शशि झिंगन तथा अशोक कुमार सहित द एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने सत्र को ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के समापन पर द एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया एवं भारतीय एकता मंच (पर्यावरण प्रकोष्ठ) के सचिव एन.के. झिंगन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ. जसप्रीत कौर के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉ. कौर ने जटिल पर्यावरणीय एवं सामाजिक विषयों को अत्यंत सरल, रोचक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे सभी प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी संस्थानों, प्रतिभागियों और अतिथियों का भी धन्यवाद किया।

# देशवासियों के आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा व सांस्कृतिक गौरव के संकल्प पर पूरा कर रहे हैं प्रधानमंत्रीःकैलाश सैनी

## मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने जन कल्याण शिविर का किया आयोजन

**» प्रथम न्यूज । बाबैन**

**19 जून ( बृज मोहन )**

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव को मजबूत करने का संकल्प लिया था जो अब पूरा होता नजर आ रहा है। पिछले 12 वर्षों में इन सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं, जिनका परिणाम आज पूरे देश के सामने है। वर्ष 2014 में भारत विश्व की अर्थव्यवस्थाओं में 11वें स्थान पर था, जबकि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत आर्थिक नीतियों और देशवासियों के सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी बाबैन की मार्केट कमेटी के सभागार में केंद्र

सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर आयोजित जन कल्याण शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। उन्होंने जन कल्याण शिविर का उद्घाटन किया। इसके उपरांत प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी हासिल की। प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर कार्य कर रही हैं तथा आने वाले वर्षों में भारत विश्व के अग्रणी देशों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सरकारी नीतियों व जनकल्याणकारी योजनाओं पर जन कल्याण शिविर में बोल रहे थे। प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। पहले देश अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए बड़े पैमाने पर विदेशों पर निर्भर था, लेकिन आज मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत भारत रक्षा उपकरणों और सैन्य तकनीक के निर्माण में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश में निर्मित रक्षा उपकरणों का निर्यात भी लगातार बढ़ रहा है, जिससे भारत की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत अभियान और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, चेयरमैन जसविंदर जस्सी, सचिव गुरमीत सैनी, सरपंच संजीव सिंह गोल्डी, गुरविंदर सिंह, बख्तावर सिंह, गुरदेव सिंह, रिंकू शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

# समाधान शिविर में 8274 शिकायतों में से 5418 शिकायतों का हुआ समाधानःविश्राम कुमार मीणा

**» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र**

**19 जून ( बृज मोहन )**

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अब तक समाधान शिविर में 8274 शिकायतें प्राप्त हुई, इनमें से 5418 शिकायतों का समाधान कर दिया गया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों की पोर्टल पर डिटेल जानकारी अपडेट करें, ताकि शिकायतें दोबारा ओपन ना हो। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की रिमार्क्स स्पष्ट ना होने के कारण शिकायतों की पेंडिंग में संख्या ज्यादा है। इनको कम करने के लिए जांच रिपोर्ट भरकर विस्तृत जानकारी पोर्टल पर अपडेट करें।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा वीरवार को नए लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी, सीपीजीआरएएमएस और जनसंवाद की समीक्षा बैठक में अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में बोल रहे थे। इससे पहले खादय नागरिक एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ जे गणेशन ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि सीएम विंडो से संबंधित

अब तक 12217 शिकायतें प्राप्त हुई है जिनमें से 11983 शिकायतों का समाधान कर दिया गया है ,जबकि 92 शिकायतें ओवर ड्यू है और 155 शिकायत इन एक्शन है। उन्होंने बताया कि जन संवाद में 526 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें 129 इन एक्शन है और 92 शिकायतें ओवर ड्यू है। उन्होंने अधिकारियों को कहा की जल्द से जल्द सोशल मीडिया ग्रीवेंस से संबंधित 70 समस्याओं का समाधान करें तथा उसकी एटीआर भी पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने कहा कि सीपीजीआरएएमएस से संबंधित 26 शिकायतें पेंडिंग है जिसका समाधान भी समय रहते करें। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिन शिकायतों का समाधान संभव नहीं है उन शिकायतों को जांच रिपोर्ट के साथ तुरंत प्रभाव से रिजेक्ट करें और पोर्टल पर डाटा अपडेट करें।

उन्होंने कहा कि सोमवार व वीरवार को सभी उपमंडल और जिला स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं जुडकर प्रदेश के विभिन्न जिलों के लोगों की शिकायतों को सुनते हैं। साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय से समीक्षा भी की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वो समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों को गंभीरता से लें और शिकायतों का समयबद्ध तरीके से समाधान करें। इस मौके पर वीसी के माध्यम से संबंधित एसडीएम ने समाधान शिविर की समीक्षा बैठक में भाग लिया तथा अपने क्षेत्र से संबंधित शिकायतों की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर शाहबाद के एसडीएम शंभू राठी, नगराधीश आशीष कुमार, संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
Website : www.prathamnews.in



आज का

# संपादकीय

## छात्रों के हित में है त्रिभाषा फार्मूला

भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम भर नहीं होती, इसका एक समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र भी होता है। खासतौर से जब भाषा का परिप्रेक्ष्य शिक्षा के संदर्भ में हो तो भाषा अपने समाजशास्त्र और आर्थिकी से आगे बढ़कर राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया से भी जुड़ जाती है। पिछले दिनों देश में सीबीएसई के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने की योजना की घोषणा को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। यह अलग बात है कि इस मुद्दे पर पूरे देश में एक विवाद खड़ा कर दिया गया है। यह संतोषजनक है कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के निर्णय पर रोक नहीं लगाई।

भारत के प्रमुख स्कूली शिक्षा बोर्ड 'केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड' (सीबीएसई) ने हाल में निर्णय लिया कि अकादमिक सत्र 2026-2027 से छठी और नवीं कक्षा से त्रिभाषा सूत्र को लागू किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र की अनुशंसा है। इसके अनुसार स्कूली स्तर पर तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिसमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। पहले भी एनईपी 1968 और एनईपी 1986 आदि में थोड़े से भिन्न रूप में त्रिभाषा फार्मूला अपनाया गया था। एकाध को छोड़कर सभी राज्यों ने त्रिभाषा सूत्र को लागू किया, लेकिन दुर्भाग्य से सीबीएसई ने त्रिभाषा फार्मूले को आंशिक रूप से ही स्वीकारा था।

सीबीएसई स्कूलों में छठी से आठवीं तक त्रिभाषा सूत्र लागू तो था, लेकिन तीसरी भाषा के तौर पर विदेशी भाषाओं की भी छूट थी, फिर नवीं और दसवीं में तो सीबीएसई ने सिर्फ द्विभाषा नीति ही अपनाई थी। उसमें भी छूट यहां तक कि स्कूल चाहें तो दोनों ही भाषाएं कोई गैर-भारतीय भाषा हो सकती थीं। इसका दुष्परिणाम हुआ कि महंगे पब्लिक स्कूलों में भारतीय भाषाओं को उपेक्षित किया जाने लगा। सीबीएसई की इन नीतियों से कई विसंगतियां पैदा हो गई थीं।

सीबीएसई एवं राज्य बोर्डों के विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण में असंतुलन की स्थिति बन गई थी। वर्तमान योजना का उद्देश्य देशभर में स्कूली शिक्षा में समानता एवं भाषाई एकरूपता स्थापित करना है। दूसरे, नवीं और दसवीं में जब बच्चों का व्यक्तित्व आकार लेना शुरू करता है, उस समय केवल विदेशी भाषाओं तक सीमित रह जाना, बच्चों को अपनी भारतीय संस्कृति से दूर करना है।

भाषा सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों का भी संचार करती है। आज बच्चों में त्याग, सेवा, सहिष्णुता, सामूहिकता, परिवार-भाव, बड़ों के प्रति आदर जैसे भारतीय मूल्यों का लोप हो रहा है। एनईपी 2020 का त्रिभाषा सूत्र बच्चों में क्षीण हो रहे इन भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करेगा। सीबीएसई के बच्चों को भी बहुभाषिकता की शक्ति का लाभ मिलेगा।

साइको-लिंग्विस्टिक रिसर्च बताती हैं कि बच्चों में अनेक भाषाएं सीखने की सहज और असीम क्षमता होती है। एक से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान बच्चों में भारतीय भौगोलिक-सांस्कृतिक समझ को समृद्ध करेगा। इससे राष्ट्रीय एकता के भाव को मजबूती मिलेगी और विभाजनकारी भाषाई राजनीति कमजोर होगी। भाषा का एक अर्थशास्त्र भी होता है। भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन से इससे जुड़े प्रकाशन उद्योग और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा लोगों को देशभर में घुलने-मिलने, रोजगार, व्यापार, शिक्षा और पर्यटन में आसानी होगी।

विरोधियों द्वारा फैलाई जा रही सूचनाएं तथ्यहीन एवं भ्रामक हैं। विरोध का एक कारण अंग्रेजी-शिक्षित आभिजात्य वर्ग की औपनिवेशिक दौर की %मैकाले मानसिकता% भी है। एक अध्ययन के अनुसार तीसरी भाषा के रूप में विदेशी भाषाओं की पढ़ाई केवल एक प्रतिशत शहरी विद्यार्थी ही कर रहे हैं। भारतीय भाषाओं के अध्ययन की अनिवार्यता का विरोध इन्हीं के आभिजात्य अभिभावकों द्वारा किया जा रहा है। नए दिशानिर्देशों के विरोध में ये लोग भाषा शिक्षकों की कमी, पाठ्यपुस्तकों का अभाव, छात्रों पर अतिरिक्त बोझ और तनाव, पहले से विदेशी भाषाओं का अध्ययन कर रहे छात्रों की असुविधा आदि तर्क दे रहे हैं। ध्यान रहे कि सीबीएसई/एनसीईआरटी द्वारा कक्षा छह के लिए सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें लगभग तैयार हैं।

नवीं कक्षा में त्रिभाषा नीति 1 जुलाई, 2026 से लागू होगी। इसके लिए 19 अनुसूचित भाषाओं की पाठ्यपुस्तकें शीघ्र उपलब्ध कराई जाएंगी। अन्य भारतीय भाषाओं के लिए इस वर्ष एनसीईआरटी की पुस्तकों का उपयोग कर सकेंगे। शिक्षकों के लिए नए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर आनलाइन पद्धति में अन्य स्कूलों से सहयोग कर शिक्षण कार्य असंभव नहीं। केवल एक और भारतीय भाषा की पढ़ाई को अतिरिक्त बोझ बताना, सही समझ का अभाव है। विभिन्न राज्यों में पहले से ही तीन भाषाएं पढ़ाई जा रही हैं। पहले से विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों की सुविधा के लिए वर्तमान में तीसरी भाषा का पाठ्यक्रम हल्का रखा जाएगा।

**एएम नाथ**

# सदव्यवहार कीजिये दुर्व्यवहार मत कीजिये

**नरेन्द्र भारती**
वरिष्ठ पत्रकार

सदव्यवहार के लिए आपको अमीर होना जरूरी नहीं है। सबसे गरीब आदमी भी सम्मान दे सकता है। सबसे गरीब आदमी भी किसी का दर्द समझ सकता है। असली गरीबी पैसे की नहीं, दिल की होती है। जिसका दिल छोटा है, वो करोड़पति होकर भी गरीब है। जिसका दिल बड़ा है, वो फटे कपड़ों में भी अमीर है ।याद रखो, वक्त किसी को नहीं छोड़ता। आज जो कुर्सी पर बैठा है, कल वो सड़क पर हो सकता है।

आज जो पैसे के घमंड में है, कल वो कर्ज में डूब सकता है। मिट्टी सबको बराबर कर देती है। तब न कुर्सी बचती है, न बंगला, न नाम। बचता है सिर्फ वो व्यवहार जो हमने दूसरों के साथ किया था। अगर हमने सदव्यवहार किया होगा, तो लोग हमें याद रखेंगे। अगर दुर्व्यवहार किया होगा, तो लोग थूककर निकल जाएंगे ।इसलिए आज से प्रण लो। घर में, दफ्तर में, सड़क पर - जहां भी जाओ, सदव्यवहार करो। किसी को नीचा मत दिखाओ। किसी की मजबूरी का मजाक मत उड़ाओ।

किसी की मेहनत को कम मत समझो। बोलने से पहले सोचो कि जो शब्द तुम बोल रहे हो, वो सामने वाले के दिल पर चोट तो नहीं करेंगे ।समाज को बदलने के लिए बड़ी क्रांति की जरूरत नहीं है। हर इंसान अगर अपने व्यवहार को बदल ले, तो क्रांति खुद हो जाएगी ।सदव्यवहार से नफरत कम होती है। नफरत कम होगी तो हिंसा कम होगी। हिंसा कम होगी तो समाज बचेगा। और समाज बचेगा तो हम बचेंगे ।दुर्व्यवहार का रास्ता आसान है। गाली देना आसान है। किसी को गिराना आसान है। लेकिन इंसान बनना मुश्किल है। मुश्किल इसलिए है क्योंकि उसके लिए अपना अहंकार मारना पड़ता है। अपने स्वार्थ से ऊपर उठना पड़ता है। लेकिन यही मुश्किल रास्ता है जो हमें इंसान बनाए रखेगा ।अंत में एक बात याद रखो। जो बीज आज बोओगे, वही कल काटोगे। अगर आज दुर्व्यवहार बोओगे, तो कल नफरत काटोगे। अगर आज सदव्यवहार बोओगे, तो कल सम्मान काटोगे। फैसला तुम्हारे हाथ में है।

सदव्यवहार कीजिये। दुर्व्यवहार मत कीजिये। क्योंकि अंत में बचता वही है इंसान की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके व्यवहार से होती है। पैसा, पद, नाम ङ्क ये सब बाहर की चीजें हैं। जो भीतर से निकलती है वो है भाषा, वो है बर्ताव, वो है नजरिया। सदव्यवहार इंसान को इंसान बनाता है।

दुर्व्यवहार उसे हैवान बना देता है। और आज हम देख रहे हैं कि समाज धीरे-धीरे दुर्व्यवहार की तरफ फिसल रहा है ।सदव्यवहार का मतलब सिर्फ मीठा बोलना नहीं है। इसका मतलब है दूसरे को इंसान समझना। उसकी मेहनत को समझना। उसकी मजबूरी को समझना। उसके दर्द को महसूस करना। जब आप रिक्शा वाले को नाम से बुलाते हैं, जब आप सफाईकर्मी को धन्यवाद कहते हैं, जब आप बुजुर्ग को रास्ता देते हैं, तब आप सदव्यवहार कर रहे होते हैं। ये छोटे काम लगते हैं, लेकिन यही समाज को जोड़ते हैं ।दुर्व्यवहार की शुरुआत अक्सर अहंकार से होती है। लगता है कि मैं बड़ा हूं, मेरे पास पैसा है, मेरे पास ताकत है। फिर यही अहंकार दूसरे को छोटा समझने लगता है। छोटा समझते ही भाषा बदल जाती है। सम्मान खत्म हो जाता है। गाली, ताना, धक्का ङ्क सब सामान्य लगने लगता है। घर में नौकर को गाली, बाजार में मजदूर को धक्का, सड़क पर गरीब को हड़काना ङ्क ये सब दुर्व्यवहार के रोजमर्रा के रूप हैं। हम सोचते हैं ये छोटी बात है।लेकिन यही छोटी बातें मिलकर समाज में नफरत का जहर घोल देती हैं ।समस्या यह है कि दुर्व्यवहार संक्रामक होता है। आपने किसी के साथ बुरा बर्ताव किया, वो दूसरों के साथ करेगा। बच्चा घर में देखता है कि पिता ने ड्राइवर को डांटा। कल वही बच्चा स्कूल में कमजोर बच्चे को सताएगा। शिक्षक ने क्लास में गरीब बच्चे कोने में बिठाया, कल वो बच्चा खुद को कमतर समझेगा। इस तरह दुर्व्यवहार पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है। और हम कहते हैं कि समाज बिगड़ गया। समाज खुद नहीं बिगड़ता। हम उसे बिगाड़ते हैं ।सदव्यवहार का उल्टा असर होता है। जब आप किसी के साथ सम्मान से पेश आते हैं, तो वो भी आपके साथ सम्मान से पेश आता है। एक बार एक दुकानदार की कहानी सुनी थी। उसके पास एक गरीब लड़का रोज आता था और दुकान के बाहर खड़ा होकर अंदर रखी मिठाई देखता था। दुकानदार ने एक दिन उसे अंदर बुलाया और एक लड्डू दिया। लड़का कुछ नहीं बोला, बस आंखें भर आईं। सालों बाद वही लड़का डॉक्टर बना और उस दुकानदार का मुफ्त इलाज किया। उसने कहा कि उस एक लड्डू ने मेरी जिंदगी बदल दी। ये है सदव्यवहार की ताकत ।समाज तभी चलता है जब लोग एक-दूसरे के लिए खड़े हों। अस्पताल में डॉक्टर रात भर जागकर आपको बचाता है। सड़क पर सफाईकर्मी रात में कचरा उठाता है।

रात में आप सोते हैं, चौकीदार जागकर पहरा देता है। ये सब लोग आपकी जिंदगी का हिस्सा हैं। इन्हें नजरअंदाज करके आप अपनी ही जड़ काट रहे हैं। अगर आप इन्हें इंसान नहीं समझेंगे तो कल जब आपको जरूरत होगी, ये भी आपको इंसान नहीं समझेंगे ।दुर्व्यवहार का सबसे खतरनाक रूप है भूल जाना कि सामने वाला भी इंसान है। जब आप किसी को सिर्फ मजदूर, सिर्फ नौकर, सिर्फ गरीब समझते हैं, तो उसकी पीड़ा आपको नहीं दिखती। भूख, दर्द, अपमान ङ्क ये सब उसे भी उतना ही लगता है जितना आपको। लेकिन अहंकार में डूबा इंसान यह नहीं समझता। वो सोचता है कि मैं जो कर रहा हूं सही है। वक्त उसे गलत साबित कर देता है। एक बीमारी, एक हादसा, एक आर्थिक झटका ङ्क और सारा गुरूर मिट्टी में मिल जाता है। तब वही लोग काम आते हैं जिन्हें कभी नीचा समझा था ।इसलिए सदव्यवहार को कमजोरी मत समझो। ये कमजोरी नहीं, ताकत है। कमजोर वही होता है जो गाली देकर अपना गुस्सा निकालता है। ताकतवर वही होता है जो गुस्से में भी जुबान पर काबू रखता है। इतिहास में जितने भी बड़े लोग हुए, सबके पीछे उनकी विनम्रता थी। सदव्यवहार की शुरुआत घर से होती है। बच्चों को सिखाओ कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। जो इंसान पसीना बहाकर कमाता है वो सबसे बड़ा है। बच्चों को बताओ कि नाम से बुलाना सीखो। अरे ओए, ए लड़के ङ्क ये शब्द इंसान को चीज बना देते हैं। घर में मेहमान आए तो पानी पहले पूछो। पड़ोसी बीमार हो तो हाल पूछो। बुजुर्ग का हाथ पकड़ो। ये छोटी-छोटी बातें ही हैं जो घर को घर बनाती हैं ।समाज में भी यही लागू होता है। बाजार में जाओ तो दुकानदार से मुस्कुराकर बात करो। बस में बैठो तो बुजुर्ग को सीट दो। सड़क पर कोई गिर जाए तो उठाओ। ये काम करने में एक मिनट लगता है, लेकिन सामने वाले की जिंदगी बदल जाती है। और बदलते-बदलते पूरा समाज बदल जाता है ।सबसे बड़ी बात है।

# होर्मुज स्ट्रेट का खुलना विश्व के लिए राहत और खुशखबरी

**शशि पाल**
प्रवक्ता इतिहास

होमुर्ज स्ट्रेट की रुकावट अब खत्म हो गई है। करीब 100 से ज्यादा दिनों की बाधा के बाद यह दोबारा चालू हो गया है। इस रास्ते से लगभग 6 करोड़ बैरल से ज्यादा कच्चा तेल निकलने की रेडी है।

यह अब तक फारस की खाड़ी में फंसा था ।अमेरिका-ईरान शांति समझौते के बाद दुनिया के सबसे अहम तेल रास्तों में से एक फिर से खुलने वाला है। इससे फारस की खाड़ी में फंसा लाखों बैरल कच्चा तेल बाहर आ सकेगा।

### भारत के लिए मायने

- भारत अपनी जरूरत का 80-85% तेल विदेश से आयात करता है।
- क्रूड की कीमतें घटने पर भारत का आयात बिल कम होगा।
- इससे देश में महंगाई और करंट अकाउंट डेफिसिट (CAD) को कंट्रोल करने में सीधी मदद मिलेगी।
- इसके अलावा, रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कड़े होने के बीच अब भारत के पास विकल्प होंगे।
- उसे पश्चिम एशिया से फिर से सुरक्षित, नियमित और पर्याप्त मात्रा में कच्चे तेल की सप्लाई मिल सकेगी।
- यह देश की आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद फायदेमंद है।

होर्मुज स्ट्रेट का फिर से खुलना अमेरिका और ईरान के बीच एक बड़े मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (MoU) का हिस्सा है। इसका मकसद सैन्य टकराव को खत्म करना और भविष्य की बातचीत के लिए एक ढांचा तैयार करना है।

18 जून 2026 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की ओर से वर्चुअली साइन किए गए 14-पॉइंट वाले रूथ में होर्मुज स्ट्रेट से कमर्शियल आवाजाही बहाल करने, ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति जारी करने, पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर देने और प्रतिबंधों में ढील, आर्थिक सहयोग और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर 60 दिन की बातचीत प्रक्रिया शुरू करने के कदम बताए गए हैं।

यह पश्चिम एशिया में स्थित है ।इसके उत्तर में ईरान और दक्षिण में ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) स्थित है। यह लगभग 167 किलोमीटर लंबा मार्ग अपने सबसे संकरे हिस्से में केवल 33 किलोमीटर (लगभग 20 मील) चौड़ा है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण और रणनीतिक समुद्री मार्ग है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यह दुनिया के कुल कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस (LNG) व्यापार का 20त्न से अधिक हिस्सा गुज़रने का एकमात्र मुख्य रास्ता है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

होर्मुज के खुलते ही दिशा नाम का एक भारतीय एलएनजी (LNG) कैरियर सुरक्षित रूप से इस मार्ग से होते हुए भारत पहुंच गया है।

ईरान ने घोषणा की है कि इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों से शुरुआती 60 दिनों तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

यद्यपि मार्ग आधिकारिक तौर पर खुला है, लेकिन 100 दिनों से अधिक समय तक रास्ता बंद रहने के कारण दोनों छोर पर सैकड़ों जहाज फंसे हुए थे। शिपिंग मॉनिटर्स के अनुसार, यातायात को पूरी तरह से युद्ध-पूर्व स्तर पर आने में कुछ महीने लग सकते हैं।

# भौतिक सुखों के बीच गुम होती आत्मिक प्रसन्नता

**खुशी का वास्तविक अर्थ आत्मसंतुष्टि और आंतरिक शांति से है, लेकिन आज का व्यक्ति अपनी खुशी दूसरों के व्यवहार और भौतिक साधनों पर निर्भर करने लगा है। विशेषकर युवा वर्ग सोशल मीडिया और मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग के कारण मानसिक तनाव, अकेलेपन और असंतोष का शिकार हो रहा है। भौतिक सुख केवल क्षणिक आनंद देते हैं, जबकि स्थायी खुशी आत्मविश्वास, संयम और आत्मनियंत्रण से प्राप्त होती है। विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2026 भी बताती है कि मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक सहयोग और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण खुशहाली के प्रमुख आधार हैं। भारत ने कुछ सुधार किया है, लेकिन अभी भी खुशहाल देशों की सूची में काफी पीछे है। रिपोर्ट यह संकेत देती है कि सोशल मीडिया का सीमित और सकारात्मक उपयोग लाभकारी हो सकता है, लेकिन इसका अत्यधिक प्रयोग मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।**

**इसलिए हमें मोबाइल और सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन रखते हुए परिवार, ज्ञानवर्धन और आत्मविकास पर अधिक ध्यान देना चाहिए, क्योंकि वास्तविक खुशी हमारे अपने हाथों में है।**

खुशी क्या है? इस सवाल का जवाब शायद ही किसी को पता नहीं होगा। लेकिन फिर भी सरल शब्दों में कहा जाए तो आत्म संतुष्टि ही असली खुशी है। और आज की इस तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दुनिया में असल संतुष्टि का भाव क्या होता है यह शायद हमें पता ही नहीं है। एक नजर दौड़ाई जाए तो ज्यादातर देखा जा रहा है कि दूसरों की खुशी में अक्सर हम अपनी खुशी तलाशने लगते हैं। उदाहरण के तौर पर यदि हमारा कोई करीबी दोस्त, हमारे साथ ठीक से बात कर रहा है तो हम ठीक हैं, अर्थात हम खुश हैं। और यदि अचानक से वही घनिष्ठ मित्र किन्हीं कारणों से हमसे बात करना बंद कर दे तो हम उदास हैं, हम खुश नहीं हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि हमने अपनी खुशी की चाबी दूसरे के हाथों में थमा रखी है। यदि वह हमारे साथ बात करता रहेगा तो हम खुश हैं और यदि बातचीत नहीं होगी तो हम अकेले हैं, हम दु:खी हैं ऐसा भाव उजागर होगा। यहां पर एक प्रश्न उठता दिखाई देता है कि क्या हम इंसान हैं जो स्वयं पर नियंत्रण रख सकते हैं या कोई मशीन हैं जो दूसरों की चाबी से चलते हैं?

नि:संदेह हम इंसान हैं और एक अकेला इंसान यदि स्वयं पर दृढ़ विश्वास रखे तो बड़े से बड़े कार्य को सरलता से करने में सक्षम होता है। और जैसे जैसे इंसान सफलता की ऊंचाइयों को छूता जाता है, उसमें आत्मविश्वास और प्रसन्नता के बीज स्वत: ही अंकुरित होने लगते हैं। दरअसल आज का इंसान धैर्य और संयम खोता जा रहा है। खास कर आज का युवा। आज के युवा न जाने खुद को भीड़ में खुद को कहीं खोया हुआ महसूस करने लगा है। आंतरिक सुख तो मानो युवा के भीतर कहीं गुम हो चुका है। भौतिक परिस्थितियों की बात करें तो आज का युवा इनमें डूबता जा रहा है। युवा को समझना होगा कि भौतिक सुख केवल एक अस्थायी सुख होता है। यह कभी भी जीवन भर हमारा साथ नहीं दे सकता। पल भर की खुशी ज्यादा समय तक हमारे आत्मसम्मान को उच्च स्तर पर विद्यमान नहीं रख सकती। खास कर युवाओं को भौतिक तंत्रों से बचना बेहद जरूरी बन गया है। हमारे शास्त्र भी इस बात का समर्थन करते हुए नजर आते हैं कि हमें अल्प सुख के बजाए दीर्घ सुख की खोज में अपने मन को लगाना चाहिए, जो कम से कम भौतिक सुख सुविधाओं से प्राप्त नहीं होगा।

**लेखक,**
**शिवालिक अवस्थी,**
**धर्मशाला, हि.प्र**

हम जिन भौतिक सुख सुविधाओं की बात कर रहे हैं उनमें अक्सर मोबाइल फोन के इस्तेमाल को ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है। मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना भी भौतिक सुख सुविधाओं में शामिल है। जैसे जैसे हमारा देश शिखर की ओर बढ़ता है वैसे ही भौतिक सुख सुविधाओं का प्रयोग भी अधिकतर होने लगता है। बात यहां मोबाइल फोन की हो रही है तो आज देश का बच्चा बच्चा इससे अछूता नहीं है। लगभग हर घर में मोबाइल ने अपनी दस्तक देकर अपनी जड़ों को मजबूत कर लिया है। मोबाइल का उपयोग हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बनता जा रहा है। समय के साथ इसका उपयोग निश्चित ही अनिवार्य बन चुका है। लेकिन हमें यह भी स्वीकारना होगा कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग हमारे युवाओं को भीतर से खोखला बनाने में भी अपनी विकट भूमिका निभा रहा है। आज हर घर में लगभग हर व्यक्ति के पास मोबाइल फोन होने से व्यक्ति परिवार के सदस्यों के बीच में रहने के बाबजूद खुद को अकेला महसूस करने लगा है क्योंकि जरूरत से ज्यादा समय वह मोबाइल फोन के इस्तेमाल के लिए दे रहा है। संयुक्त परिवारों की घटती दरों से इंसान वैसे ही एकल बनता जा रहा है और ऊपर से मोबाइल फोन की लत ने इंसान को पूरी तरह से खोखला बना दिया है। और इसकी सबसे ज्यादा चपेट में आ रहे हैं हमारे देश के युवा, जिनका अधिकतर समय मोबाइल फोन के सहारे व्यतीत हो रहा है।

गौर रहे, यहां मोबाइल फोन के इस्तेमाल का मतलब यह नहीं है कि कॉल्स रिसीव या कॉल्स करने में आज का युवा अपना ज्यादा समय व्यतीत कर रहा है। बल्कि युवाओं द्वारा सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल की बात की जा रही है। सोशल मीडिया के फैले इस जाल में न केवल युवा बल्कि देश के अधिकतर नागरिक फंसते जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप उनमें मानसिक विकार की स्थिति तेजी से बढ़ती जा रही है। जिससे हर इंसान की भावनाओं में, व्यवहारों में गहरा बदलाव देखने को मिल रहा है। खास कर युवा, मानसिक पीड़ा की गिरफ्त से खुद को कष्टप्रद सा महसूस करने लगा है। नतीजन, खुशहाल जीवन मात्र एक कल्पना बनकर रह गया है। वास्तविक खुशी कहीं गुम सी हो गई है। इसी खोई हुई खुशी को रिपोर्ट में आंकड़ों द्वारा भी दर्शाया जा चुका है। जी हां, हाल ही में प्रकाशित हुई विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2026 में प्रकाशित आंकड़ों ने सारी सच्चाई सबके सामने ला दी है। इस रिपोर्ट को विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान करने के उपरांत तैयार किया गया है जिसमें प्रमुख रुप से प्रति व्यक्ति जीडीपी, सामाजिक समर्थन, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, जीवन के निर्णय लेने की स्वतंत्रता, उदारता, भ्रष्टाचार की धारणा आदि शामिल हैं।

इस रिपोर्ट द्वारा कुल 147 देशों को शामिल करके उन्हें प्राप्त अंकों के अनुसार पायदान प्रदान किए गए हैं। 147 देशों में 7.764 अंक हासिल करके फिनलैंड ने प्रथम स्थान हासिल किया है। 7.540 अंकों के साथ आइसलैंड दूसरे स्थान पर रहा है जबकि 7.539 अंक प्राप्त करके डेनमार्क ने तीसरा स्थान हासिल किया है। सरल शब्दों में कहें तो इस बार की रिपोर्ट में नार्डिक देशों का दबदबा देखने को मिला है। बात यदि भारत देश की करें तो पिछले वर्ष की तुलना में 2 पायदान उछाल तो आया है लेकिन स्थिति संतोषजनक नहीं है। 4.536 अंकों के साथ भारत 116वें स्थान पर है। इस रिपोर्ट में ज्यादातर सोशल मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया गया है। रिपोर्ट यह नहीं कह रही कि सोशल मीडिया से एक दम दूर हो जाओ ताकि जीवन खुशहाल बन सके। बल्कि यह रिपोर्ट इस बात का संकेत देती है कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग हमारी ही जीवन शैली पर कितना भारी पड़ रहा है।

प्रतिदिन 2.5 घंटे से ज्यादा मोबाइल का उपयोग जीवन में कई चुनौतियों को सामने लाकर खड़ा कर सकता है, जिसका प्रभाव सीधे हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है। जबकि औसतन 1 घंटे से कम मोबाइल का उपयोग करना वेल बीइंग के लिए सही माना जा सकता है। सोशल मीडिया केवल कोई मनोरंजन का साधन नहीं है, अपितु इसके सही उपयोग से हम अपने ज्ञान की वृद्धि भी कर सकते हैं। समाचार सुनना या किसी तरह का ज्ञान प्राप्त करने में सोशल मीडिया का सीमित और सही उपयोग भी किया जा सकता है। लेकिन दिन भर चैटिंग, रील्स और गेम्स आदि में अपना बहुमूल्य समय व्यतीत करना बिल्कुल सही नहीं माना गया है। बहरहाल, हमारी खुशी हमारे अपने हाथों में होती है। साधन उपयोग करने के लिए ही बनाए जाते हैं लेकिन यह स्वयं पर निर्भर करता है कि हमने साधनों का उपयोग उचित तरीके से करना है या अनुचित तरीके से। हम जितना समय मोबाइल की गिरफ्त से बचकर अपने परिवार और ज्ञान वर्धन जैसी सामग्रियों पर लगाएंगे उतना ही हमारा मन शांत रहेगा और हृदय प्रसन्न रहेगा।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

## जरूरत पर टिके रिश्ते एक त्रासदी

**आदर्श भारती**

विकल्प मिल रहे हैं रिश्तो में मतलब घर कर चूका है यह बहुत ही त्रासदी हैं क्यूंकि लोग अपने-अपने दायरे में इतने व्यस्त हो गए हैं कि अपनों के लिए भी एक पल निकालना मुश्किल लगता है ।रिश्ते अब भावना पर नहीं, जरूरत पर टिके हैं ।जब तक जरूरत है, तब तक साथ है ।जिस दिन जरूरत खत्म, उसी दिन रिश्ता भी खत्म ।व्यस्तता का मुखौटा और स्वार्थ की चादर हम कहते हैं, दायरों की दीवारें, रिश्तों की दूरी हर इंसान ने अपने चारों ओर एक अदृश्य दायरा खींच लिया है ।उसी दायरे में उसका काम, उसका समय, उसकी सोच और उसकी दुनिया कैद है।

समय नहीं है। पर सच ये है कि समय नहीं, प्राथमिकता नहीं है कल तक जो फोन पर सबसे पहले नाम आता था, आज वो नंबर डिलीट की सूची में है। कल तक जो घर का सबसे चहेता था, आज वो सिर्फ एक याद बनकर रह गया है ।जब तक मतलब है, तब तक मुलाकात है, हालचाल है, संदेश है ।जिस दिन मतलब खत्म, उसी दिन पहचान भी खत्म ।व्यस्तता ने हमें एक ऐसा मुखौटा पहना दिया है, जिसमें हम खुद को कर्मठ कहते हैं, पर अपनों से दूर हो जाते हैं। पहचान का आधार स्नेह है, स्वार्थ नहीं पहचान का निर्माण वर्षों के साथ, भावनाओं के धागे से होता है ।एक समय था जब रिश्ते बिना कारण के निभाए जाते थे ।अब रिश्ते कारण के बिना टूट जाते हैं। एक-दूसरे के जीवन में तब तक रहते हैं, जब तक हमसे कोई काम है।

*जिस दिन काम खत्म, उसी दिन हम भी खत्म।*
*यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है।*
*हम लोगों को नहीं, सुविधाओं को चुनते हैं।*
*और सुविधा बदलते ही, पहचान बदल जाती है।*

अंत में क्या बचता है दायरों में बंद जिंदगी, व्यस्तता के नाम पर खोया हुआ अपनापन। और फिर एक दिन हम खुद से पूछते हैं क्या मैंने रिश्ते निभाए, या सिर्फ जरूरतें पूरी कीं? क्या मैंने किसी के जीवन में पहचान बनाई, या सिर्फ अपना काम निकाला?

जब जवाब खाली होता है, तब समझ आता है - मतलब खत्म, पहचान खत्म ।तब न फोन बजता है, न दरवाजा खटखटाता है ।तब समझ आता है कि हमने लोगों को नहीं, अपने स्वार्थ को जिया है ।दायरे छोटे रखिए, पर दिल बड़े रखिए ।व्यस्तता जीवन का हिस्सा है, पर अपनों से दूरी उसका परिणाम न बने।

क्योंकि जब पहचान ही न बचे, तो फिर अपने कहलाने का अधिकार भी नहीं बचता। समय रहते अगर हमने रिश्तों को महत्व न दिया, तो एक दिन हम भी किसी के लिए मतलब बनकर रह जाएंगे।

और जब मतलब खत्म होगा, तो पहचान भी खत्म हो जाएगी ।रिश्ते निवेश हैं, लेन-देन नहीं।

जिस दिन हम ये समझ जाएंगे, उसी दिन दायरों की दीवारें गिर जाएंगी ।और तब पहचान खत्म नहीं होगी, बल्कि अमर हो जाएगी।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

## संक्षिप्त न्यूज

### किन्नौर एवं लाहौल-स्पीति जिलों में सांस्कृतिक, पर्यावरणीय एवं सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

**किन्नौर ( बी.शर्मा ):** माई भारत, युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (ITBP) के सहयोग से चल रहे विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 – फेज II के दूसरे दिन प्रतिभागियों ने हिमालयी क्षेत्र की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को करीब से जाना। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह की उर्जावान योग सत्र से हुई, जिसके बाद स्थानीय परंपरागत व्यंजन थुकपा सहित हिमालयी नाश्ते का आनंद लिया गया। प्रतिभागियों (सिक्किम से 5 एवं गुजरात से 1) को स्थानीय भूगोल की जानकारी दी गई और उन्हें नाको के आस-पास के गांवों – चुलिंग, चांगो एवं शियालखर – का भ्रमण कराया गया। वहां उन्होंने 11वीं शताब्दी के प्रसिद्ध नाको मठ और लगभग 1000 वर्ष पुराने चुलिंग मंदिर का दर्शन किया। गांवों में स्थानीय सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लिया तथा गांव के बुजुर्गों के साथ अनुभव साझा करने का सत्र भी आयोजित किया गया।

दिन के दूसरे हिस्से में प्रतिभागी ITBP बटालियन बेस कैंप पहुंचे, जहां कमांडेंट श्री सुनील कुमार के साथ प्रेरक संवाद हुआ। ITBP जवानों द्वारा हथियार प्रदर्शन और विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इसके बाद वन विभाग के डिविजनल फॉरेस्ट अधिकारी (DFO) ने क्षेत्र की स्थानीय वनस्पति, जीव-जंतुओं तथा हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण पर विस्तृत व्याख्यान दिया। शाम को प्रतिभागियों ने स्पीति घाटी के प्रसिद्ध की मठ का दौरा किया, जहां बौद्ध परंपरा, इतिहास और आध्यात्मिकता की गहन जानकारी प्राप्त की। शाम में महिलाओं के स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित पारंपरिक हस्तशिल्प की दुकान का भी दौरा किया गया। माई भारत के माध्यम से आयोजित यह कार्यक्रम सीमावर्ती गांवों के युवाओं को देश की सीमा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय समुदायों से जोड़ने का एक प्रभावी मंच साबित हो रहा है।

### ज़िला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का परवाणू दशहरा ग्राउंड में किया जाएगा आयोजित - राहुल जैन

*अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित*

**सोलन ( बी.शर्मा ):** अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जैन ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2026 को पूरे देश तथा प्रदेश के साथ-साथ सोलन ज़िला में भी आयोजित किया जाएगा। राहुल जैन आज यहां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सम्बन्ध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

राहुल जैन ने कहा कि इस वर्ष ज़िला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सोलन ज़िला के परवाणू के सेक्टर 5 स्थित दशहरा ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का इस वर्ष का विषय 'वृद्ध अवस्था के लिए स्वस्थ योग' रख गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ज़िला में स्थापित सभी आयुष विभाग के संस्थाओं पर भी यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

राहुल जैन ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वस्थ शरीर आवश्यक है और इस दिशा में योग महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा कि ज़िला आयुर्वेदिक अस्पताल में प्रतिदिन प्रात: 06.00 बजे से प्रात: 07.00 बजे से योग कक्षाएं आयोजित की जाती है। उन्होंने लोगों से इन योग कक्षाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। ज़िला आयुष अधिकारी डॉ. निशा वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की पूर्ण जानकारी प्रस्तुत की। ज़िला चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित रंजन तलवार, ज़िला कल्याण अधिकारी विवेक अरोड़ा, ज़िला नोडल अधिकारी (योग) डॉ. मंजेश शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

### नीट (यूजी) परीक्षा 2026 को लेकर बिलासपुर शहर में धारा 163 बीएनएसएस लागू

**बिलासपुर ( जितेंद्र गौतम ):** राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा 21 जून को आयोजित की जा रही नीट (यूजी) परीक्षा 2026 के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपमंडल मजिस्ट्रेट सदर बिलासपुर डॉ. राजदीप सिंह ने धारा 163 बीएनएसएस के अंतर्गत आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार परीक्षा दिवस पर बिलासपुर स्थित निर्धारित परीक्षा केंद्रों, पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) बिलासपुर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्रा) बिलासपुर तथा पीएम श्री नवोदय विद्यालय कोठीपुरा के आसपास किसी भी प्रकार के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक कार्यक्रम, जुलूस, रैली, नारेबाजी तथा हड़तालों पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध 21 जून 2026 को प्रात: 08 बजे से सायं 06 बजे तक प्रभावी रहेगा।

इसके अतिरिक्त उक्त समयावधि के दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास लाउडस्पीकर के उपयोग पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य, टेंट या मंच लगाने अथवा हटाने की गतिविधियों पर भी रोक लगाई गई है, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आदेशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी व्यक्ति द्वारा हथियार, लाठी, गोला-बारूद, तलवार अथवा अन्य घातक सामग्री ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

# झूठे हैं मुख्यमंत्री, प्रदेश बेचते हुए प्रदेश हितैषी बनने का कर रहे ढोंग : जयराम ठाकुर

## किशाऊ प्रोजेक्ट में पूर्व सरकार ने रखा हिमाचल का पक्ष, तभी आज मिल रही है सफलता

### सिर्फ भ्रष्टाचार, अराजकता और मित्रों को संरक्षण देते हैं मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू

» प्रथम न्यूज़ । शिमला

19 जून ( एएम नाथ )

शिमला स्थित आधिकारिक आवास पर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू झूठे हैं। वह अपने कार्यकाल के दौरान लगातार प्रदेश के हितों को बेच रहे हैं और खुद को हिमाचल का हितैषी होने का ढोंग रच रहे हैं। प्रदेश के लोग उनकी सच्चाई जान चुके हैं, इसलिए उनके किसी भी झूठ का अब कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। मुख्यमंत्री को इस बात का भ्रम हो गया है कि वही इकलौते प्रदेश हितैषी नेता हैं, जबकि उनके काम प्रदेश और प्रदेशवासियों के हितों के खिलाफ ही रहे हैं। उन्हें यह भ्रम नहीं पालना चाहिए और जनता में उनकी क्या छवि है, उसके बारे में जानकारी हासिल करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद से ही मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के बजाय मित्रमंडल को तरजीह दी। हिमाचल प्रदेश ऑन सेल की मुहिम चलाई, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के विरोध और माननीय न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण सफलता नहीं मिली। अब किशाऊ डैम को लेकर झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री को केंद्र सरकार का आभारी होना चाहिए कि उसने पहले भी हिमाचल प्रदेश के हितों को प्राथमिकता दी और आज भी प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री की बातों पर यकीन करना मुश्किल है, लेकिन वह जो दावा कर रहे हैं, वह इसलिए संभव हुआ क्योंकि हमारी सरकार के दौरान भी केंद्र सरकार से बातचीत में हमने हिमाचल के हितों को सर्वोपरि रखा था। हिमाचल के हितों को प्राथमिकता देने के कारण ही यह बातचीत लंबी चली। मुख्यमंत्री को यह समझना चाहिए कि सरकारें बदलने से प्रदेश के हित नहीं बदल जाते और न ही पूर्व सरकार की उपलब्धियों और प्रयासों को खारिज किया जा सकता है। जयराम ठाकुर ने सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश के हितैषी मुख्यमंत्री सुक्खू जी बताएं कि प्रदेश के कई नेताओं के करीबी देशभर में घूम-घूमकर धारा 118 में छूट दिलाने का ठेका ले रहे थे, उन्हें किसका संरक्षण मिला था? कृषि विश्वविद्यालय की 110 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन किसके इशारे पर और किसे बेची गई थी? प्रदेश में धड़ल्ले से हो रहे अवैध खनन को किसका संरक्षण प्राप्त है? प्रदेश में वन माफिया किसके इशारे पर तांडव मचा रहा है? शराब की अवैध फैक्ट्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय में किसका संरक्षण प्राप्त है? चेस्टर हिल जैसे 1500 करोड़ रुपये के घोटाले में आरोपी आला अधिकारियों को कौन बचा रहा था और क्यों बचा रहा था? कांग्रेस के एक बहुत ही वरिष्ठ नेता की शिमला स्थित जमीन पर मुख्यमंत्री के किस खास मित्र की नज़र थी?

मुख्यमंत्री के एक करीबी व्यक्ति के बेटे पर हमले की थ्योरी क्या है? हिम-चंडीगढ़ के नाम से योजना बनाकर मुख्यमंत्री अपने किस करीबी को फायदा पहुंचाना चाहते हैं, जो संबंधित पंचायत से जबरन अनापत्ति प्रमाण पत्र देने का दबाव बना रहा है? पावर कॉरपोरेशन में कुछ खास ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों में बदलाव क्यों किया गया? एनएचपीसी और एसजेवीएनएल के प्रोजेक्ट लेकर आंध्र और कर्नाटक के निजी ठेकेदारों को क्यों दिए जा रहे हैं? विमल नेगी की मृत्यु कैसे हुई? हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन में कौन से लोग उनकी मृत्यु के जिम्मेदार हैं और उनका मुख्यमंत्री कार्यालय तथा मुख्यमंत्री से क्या संबंध है? पेखुबेला में 150 करोड़ रुपये में बनने वाले प्रोजेक्ट को 260 करोड़ रुपये में किसने बनवाया? काम पूरा होने से पहले किसने ठेकेदारों को भुगतान करने का दबाव बनाया और क्यों बनाया? उस प्रोजेक्ट से कितनी बिजली मिली और काम कहाँ तक पहुँचा?

जयराम ठाकुर ने कहा कि ऐसे बहुत से सवाल हैं, जिनके जवाब मुख्यमंत्री के पास नहीं हैं क्योंकि नीयत में ही खोट है। जब ऐसे सवालों के जवाब मुख्यमंत्री से पूछे जाते हैं तो वह इधर-उधर की बातें करते हैं और झूठ बोलते हैं। किशाऊ प्रोजेक्ट के मामले में भी वही कर रहे हैं। चेस्टर हिल के आरोपियों पर कार्रवाई करने की उनकी हिम्मत नहीं है। पेखुबेला के आरोपियों को बचाने के लिए उन्होंने अपनी पूरी ताकत लगा दी। कानून लाकर विधानसभा में धारा 118 को कमजोर करने का प्रयास किया। भ्रष्ट अधिकारियों के चंगुल में वह फंसे हुए हैं। पूरी तरह से समझौता कर चुके हैं। बस झूठ बोलकर और विपक्ष पर आरोप लगाकर खुद को हिमाचल हितैषी बताने का ढोंग रच रहे हैं। लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि उनकी सारी चालें बेनकाब हो चुकी हैं और उनकी बातों पर अब कोई यकीन नहीं करता।

# मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में शोध करने का किया आह्वान

» प्रथम न्यूज़ । शिमला

19 जून ( बी.शर्मा )

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू), शिमला में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए।

उन्होंने 10.09 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मल्टी फैकल्टी भवन का उद्घाटन किया। इस भवन में तीन शैक्षणिक मंजिलें, कंप्यूटर-कम-सीबीटी लैब तथा पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित सीबीटी लैब का भी उद्घाटन किया। यह सुविधा शिक्षण क्षमता बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री ने 8.25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नए अकादमिक ब्लॉक का शिलान्यास भी किया। यह पांच मंजिला भवन होगा, जिसमें पार्किंग, नई कक्षाएं और बढ़ती छात्र संख्या के अनुरूप अतिरिक्त शैक्षणिक स्थान उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय को सशक्त बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है तथा इसके विकास के लिए प्रतिवर्ष 150 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि इन पहलों से विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे, डिजिटल बदलाव और शैक्षणिक उत्कृष्टता को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि वह स्वयं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं और विगत वर्षों में यहां काफी सकारात्मक बदलाव आए है। उन्होंने छात्रों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान की आवश्यकता पर बल दिया। श्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इसी दिशा में सोलन जिले के नालागढ़ में हिमाचल प्रदेश की पहली ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना स्थापित की जा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय से ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में शोध करने का आग्रह करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में राज्य के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, देश को लगभग 90,000 करोड़ रुपये मूल्य की पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करता है।

# जिला परिषद बिलासपुर के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

## लेख राम बने जिला परिषद अध्यक्ष, प्रमिला देवी उपाध्यक्ष चुनी गईं

» प्रथम न्यूज़ । बिलासपुर

19 जून ( जितेंद्र गौतम )

जिला बिलासपुर में जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिला परिषद के कुल 14 निर्वाचित सदस्यों में से 10 सदस्यों की उपस्थिति से आवश्यक कोरम पूरा होने के उपरांत चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ की गई। अध्यक्ष पद पर लेख राम तथा उपाध्यक्ष पद पर प्रमिला देवी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। दोनों पदों के लिए अन्य कोई नामांकन पत्र दाखिल न होने के कारण निर्वाचन प्रक्रिया बिना मतदान के पूर्ण हुई।

जिला परिषद बैठक हॉल में आयोजित चुनाव प्रक्रिया उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायती राज संस्थाएं) राहुल कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुई। अध्यक्ष पद के लिए वार्ड संख्या-12 जुखाला से निर्वाचित सदस्य लेख राम ने नामांकन पत्र दाखिल किया, जिसका प्रस्ताव वार्ड संख्या-06 रोहल से जरनैल सिंह ने तथा समर्थन वार्ड संख्या-05 बड़गांव से नरेंद्र कुमार ने किया। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए वार्ड संख्या-04 ननावां से निर्वाचित सदस्य प्रमिला देवी ने नामांकन प्रस्तुत किया, जिसका प्रस्ताव वार्ड संख्या-10 बरमाणा से अशोक कुमार तथा समर्थन वार्ड संख्या-02 गाहर से रक्षा कुमारी ने किया।

चुनाव प्रक्रिया में वार्ड संख्या-01 घंडालवीं से जमना देवी, वार्ड संख्या-02 गाहर से रक्षा कुमारी, वार्ड संख्या-03 कुठेड़ा से निशु देवी, वार्ड संख्या-04 ननावां से प्रमिला देवी, वार्ड संख्या-05 बड़गांव से नरेंद्र कुमार, वार्ड संख्या-06 रोहल से जरनैल सिंह, वार्ड संख्या-09 बामटा से सपना कुमारी, वार्ड संख्या-10 बरमाणा से अशोक कुमार, वार्ड संख्या-12 जुखाला से लेख राम तथा वार्ड संख्या-14 कोटखास से तरसेम सिंह उपस्थित रहे। जबकि वार्ड संख्या-07 जेजवीं से आशा देवी, वार्ड संख्या-08 जांगला से देवांश चंदेल, वार्ड संख्या-11 नम्होल से सुरभि ठाकुर तथा वार्ड संख्या-13 स्वाहण से रतन चंद अनुपस्थित रहे। इस अवसर पर उपायुक्त राहुल कुमार ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों पर मतदाताओं द्वारा व्यक्त विश्वास को बनाए रखना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्रों के समग्र विकास, जनकल्याण तथा पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

## उदयपुर-किलाड़ सड़क के पक्कीकरण से पांगी घाटी के विकास को मिलेगी नई गति, यात्रा समय घटकर होगा लगभग दो घंटे : हर्ष महाजन

### बीआरओ के 800 करोड़ रुपये वार्षिक बजट से हिमाचल के सीमावर्ती एवं दुर्गम क्षेत्रों में मजबूत होगा सड़क नेटवक

» प्रथम न्यूज़ । शिमला

19 जून ( बी.शर्मा )

राज्यसभा सांसद श्री हर्ष महाजन ने आज सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के मुख्य अभियंता श्री राजीव कुमार से शिष्टाचार भेंट कर हिमाचल प्रदेश की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं एवं आधारभूत ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान उदयपुर से किलाड़ तक सड़क के पक्कीकरण कार्य को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। श्री हर्ष महाजन ने कहा कि यह परियोजना पांगी घाटी के लिए जीवन रेखा सिद्ध होगी। सड़क के निर्माण एवं पक्कीकरण के उपरांत उदयपुर से किलाड़ तक की यात्रा लगभग दो घंटे में पूरी की जा सकेगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। इसके साथ ही पांगी घाटी के निवासियों के लिए कुल्लू एवं अन्य क्षेत्रों तक पहुंच और अधिक सुगम एवं सुविधाजनक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से पर्यटन, व्यापार, कृषि एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी। दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में इस परियोजना की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

बैठक में चम्बा-पांगी सड़क मार्ग की वर्तमान स्थिति तथा इसके उन्नयन कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बीआरओ के मुख्य अभियंता श्री राजीव कुमार ने सांसद को आश्वस्त किया कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के लिए संगठन हर संभव प्रयास कर रहा है तथा निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाएगी।

इस अवसर पर बीआरओ की ओर से बताया गया कि संगठन का वार्षिक बजट लगभग 800 करोड़ रुपये है। श्री हर्ष महाजन ने कहा कि यह हिमाचल प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे सीमावर्ती एवं दुर्गम क्षेत्रों में सड़क संपर्क को मजबूत करने में बड़ी सहायता मिलेगी। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने और प्रदेश के संतुलित विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। श्री महाजन ने बीआरओ द्वारा प्रदेश में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बेहतर सड़क नेटवर्क न केवल लोगों के जीवन को आसान बनाएगा बल्कि सुरक्षा, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी नई दिशा प्रदान करेगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार और बीआरओ के संयुक्त प्रयासों से हिमाचल प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में विकास की गति और अधिक तेज होगी।

# स्कूलों के 100 गज के दायरे में दुकानों के लाइसेंस निरीक्षण रिपोर्ट के बाद ही होंगे जारी- उपायुक्त

» प्रथम न्यूज़ । शिमला

19 जून ( बी.शर्मा )

जिला शिमला में स्कूलों के नजदीक दुकानदारों के लाइसेंस की समीक्षा की जाएगी। यह आदेश उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने तंबाकू नियंत्रण पर जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। उपायुक्त ने कहा कि स्कूलों के आसपास जिन भी दुकानों को लाइसेंस जारी किए गए हैं उन लाइसेंस होल्डर्स की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा भविष्य में किसी भी दुकानदार को लाइसेंस फिजिकल निरीक्षण रिपोर्ट के बाद ही जारी किया जाएगा। अगर लाइसेंस जारी करने वाले अधिकारियों ने बिना निरीक्षण रिपोर्ट के लाइसेंस जारी किया तो उक्त अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि स्कूल के प्राधानाचार्य को परिसर के 100 गज के दायरे में दुकानों को निरीक्षण करने का अधिकार है। अगर किसी दुकान में तंबाकू उत्पादों की ब्रिकी की जा रही है तो उसके खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाए। स्कूल प्रधानाचार्य स्वयं दुकानों का औचक निरीक्षण भी करें।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर विशेष प्रतिबंध लागू है। न्यायालय के निर्देशों के अनुसार किसी भी स्कूल, कॉलेज या अन्य शैक्षणिक संस्थान के 100 मीटर के दायरे में सिगरेट, बीड़ी अथवा किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पाद की बिक्री पूर्णत: निषिद्ध है। उन्होंने कहा कि बसंतपुर ब्लॉक में स्कूलों के समीप दुकानदारों ने लिखित में प्रशासन को दिया है कि वे किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद की बिक्री नहीं करेंगे। यह नई पहल है जो सामुदायिक सहयोग की तरह संदेश देती है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने जिला के सभी अस्पतालों में तंबाकू मुक्त अस्पताल परिसर बॉक्स स्थापित किए है जिसमें मरीज और तीमारदार को अस्पताल में प्रवेश करने से पहले तंबाकू उत्पाद बॉक्स में डालने होते है।

जिला भर में लोग इस पहल में सहयोग कर रहे है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से एनएचएम द्वारा करवाए गए सर्वेक्षण के अधार पर शिमला के मॉल रोड़ का क्षेत्र लिया गया। दो घंटे सात मिनट तक चले इस सर्वेक्षण में 3.31 किलोमीटर क्षेत्र कवर किया । इसमें स्कूल के दायरे में आने वाली 17.5 फीसदी दुकानों में तंबाकू उत्पादों की बिक्री के लाईसेंस जारी किए है।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने आम जनता, व्यापारियों तथा संस्थानों से अपील की है कि वे कोटपा अधिनियम के प्रावधानों का पूर्ण पालन करें और तंबाकू मुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना सहयोग दें। तंबाकू सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों सहित अनेक गंभीर रोगों का प्रमुख कारण भी है।

**ये रहे मौजूद :** अतिरिक्त उपायुक्त सचिन शर्मा, एडीएम लॉ एंड आर्डर पंकज शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा यशपाल रांटा, जिला कार्यक्रम अधिकारी तंबाकू नियंत्रण प्रोग्राम डा राखी, सीएचओ डा अंजली चौहान, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ विनीत लखनपाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी ममता पॉल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

**कोटपा नियमों को सख्ती से पालन अनिवार्य:** सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए), 2003 भारत सरकार द्वारा तंबाकू नियंत्रण तथा जन स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से लागू किया गया एक महत्वपूर्ण कानून है। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा इस अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप वर्ष 2013 में प्रदेश को देश का पहला धूम्रपान मुक्त राज्य घोषित किया गया था। अधिनियम की धारा-4 के तहत सभी सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पूर्णत: प्रतिबंधित है। सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, होटल, रेस्टोरेंट, बस अड्डों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति पर 200 रुपये तक का जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है। कोटपा अधिनियम की धारा-5 तंबाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष विज्ञापन, प्रचार तथा प्रायोजन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है। वहीं धारा-6(क) के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तंबाकू उत्पाद बेचना या उनसे तंबाकू उत्पाद बिकवाना दंडनीय अपराध है। धारा-6(ख) के तहत किसी भी विद्यालय, महाविद्यालय अथवा अन्य शिक्षण संस्थान के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूर्णत: प्रतिबंधित है। इसके अतिरिक्त धारा-7 के अनुसार बिना निर्धारित सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी वाले तंबाकू उत्पादों का निर्माण, वितरण अथवा विक्रय भी कानूनन प्रतिबंधित है।

**खुली सिगरेट और बीड़ी बिक्री प्रतिषेध:** हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा तम्बाकू नियंत्रण को प्रभावी बनाने तथा युवाओं और बच्चों को तम्बाकू उत्पादों की आसान उपलब्धता से बचाने के उद्देश्य से ष्हमाचल प्रदेश खुली सिगरेट और बीड़ी बिक्री प्रतिषेध तथा सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद खुदरा कारोबार विनियमन अधिनियम, 2016 लागू किया गया है। इस अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2018 में संबंधित नियम भी अधिसूचित किए गए हैं।

अधिनियम के अनुसार राज्य में किसी भी व्यक्ति द्वारा खुली अथवा एकल सिगरेट और बीड़ी की बिक्री पूर्णत: प्रतिबंधित है। कोई भी दुकानदार बिना पैकेट के सिगरेट या बीड़ी न तो बेच सकता है और न ही बिक्री के लिए प्रदर्शित कर सकता है। इस प्रावधान का उद्देश्य विशेष रूप से बच्चों एवं किशोरों को तम्बाकू उत्पादों तक आसान पहुंच से रोकना है।

**कठोर दंड का प्रावधान:** अधिनियम के उल्लंघन पर कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। प्रथम बार नियमों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को तीन माह तक का कारावास अथवा 50 हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों दंड दिए जा सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति दोबारा या बार-बार उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसे एक वर्ष तक का कारावास तथा एक लाख रुपये तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। साथ ही, अवैध रूप से बेचे जा रहे तम्बाकू उत्पादों एवं संबंधित सामग्री को जब्त करने का भी प्रावधान है। वर्ष 2018 में अधिसूचित नियमों के अंतर्गत पंजीकरण की प्रक्रिया, आवेदन प्रपत्र तथा आवश्यक दस्तावेजों का विस्तृत विवरण निर्धारित किया गया है। निर्धारित शुल्क एवं आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ही व्यापारी को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किया जाता है।

# रोहित शर्मा-विराट कोहली को 2027 वर्ल्ड कप में मिलेगा मौका ?

## BCCI सचिव ने तोड़ी चुप्पी, दिया सबसे बड़ा अपडेट

BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए भारत के प्लान पर सार्वजनिक रूप से बात करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि टीम के लॉन्ग टर्म रोडमैप के बारे में बातचीत एक अंदरूनी मामला है। उनका ये बयान ऐसे समय में आया, जब इस बात पर अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा अगले विश्व कप के लिए भारत की टीम का हिस्सा होंगे या नहीं।

**कोहली और रोहित के भविष्य पर चर्चा :** जब से भारत ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीती है, तब से कोहली और रोहित का भविष्य चर्चा का विषय बना हुआ है। दोनों सीनियर खिलाड़ियों ने 2027 वर्ल्ड कप से पहले ODI क्रिकेट खेलना जारी रखने की इच्छा जताई है। PTI से बात करते हुए सैकिया ने साफ किया कि टीम की योजना और खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर बातचीत चल रही है, लेकिन इसका मकसद इसे सार्वजनिक करना नहीं है।

**कई लोग लेते फैसले :** सैकिया ने कहा, हमारी टीम बहुत अच्छी तरह से संगठित है और हमारे पास कई एक्सपर्ट्स हैं। सभी स्टेकहोल्डर्स को इसमें शामिल किया जाता है। जो भी फैसले लिए जाते हैं, उनमें क्रिकेट कमेटी, सेलेक्टर्स और सपोर्ट स्टाफ, हेड कोच और संबंधित खिलाड़ियों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स शामिल होते हैं। लगातार बातचीत होती रहती है। इसलिए, हमें बातचीत के लिए किसी खास सेशन की जरूरत नहीं है। यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।

**रोहित-कोहली ने जताई इच्छा**

इन दिनों 2027 वर्ल्ड कप के लिए भारत की तैयारियों में सीनियर खिलाड़ियों की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि रोहित और कोहली दोनों ने कई बार कहा है कि वे यह टूर्नामेंट खेलना चाहते हैं। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर ने भविष्य की टीम के गठन को लेकर कोई भी पक्का वादा करने से परहेज किया है।

### जनता के सामने कुछ भी बताना चाहिए

सैकिया का मानना है कि टीम बनाने और खिलाड़ियों के मैनेजमेंट से जुड़ी चर्चाएं बोर्डरूम तक ही सीमित रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मुझे मीडिया या जनता के सामने कुछ भी बताना चाहिए क्योंकि ये रणनीतिक चर्चाएं हैं। मुझे मीडिया के सामने इनके बारे में बात करने की इजाजत नहीं है।

दूसरी बात, ये ऐसे मामले हैं जो बोर्डरूम के अंदर ही रहने चाहिए।

# एफआईएच प्रो लीग- आखिरी पलों में टूटा भारत का सपना, जर्मनी ने 2-1 से हराया

भारतीय मेंस हॉकी टीम को एफआईएच (इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन) प्रो लीग 2025-26 के अपने तीसरे मुकाबले में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने जर्मनी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत जर्मनी जीत दर्ज करने में सफल रही। अपना 100वां इंटरनेशनल मुकाबला खेल रहे जुगराज सिंह ने मैच के 38वें मैच में भारत की ओर से एकमात्र गोल किया, हालांकि जर्मनी की तरफ से जस्टस वीगैंड ने 56वें और जैकब ब्रिला ने 60वें मिनट में जर्मनी की ओर से गोल दागा। भारत ने मैच की शुरुआत काफी आक्रामक अंदाज में की। टीम ने शुरुआती मिनटों में गेंद पर अच्छा नियंत्रण रखा और जर्मनी पर दबाव बनाने की कोशिश की। मजबूत और कॉम्पैक्ट डिफेंस के चलते भारत ने वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को ज्यादा मौके नहीं बनाने दिए।

दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने हाई प्रेसिंग गेम खेलते हुए अपनी तीव्रता को बढ़ाया। इस दबाव के कारण जर्मनी से कुछ गलतियां भी हुईं। भारत के लिए सबसे अच्छा मौका अभिषेक ने पहले हाफ के दौरान बनाया, लेकिन वह उसे गोल में तब्दील नहीं कर सके। तीसरे क्वार्टर में मुकाबला और भी कड़ा रहा। भारतीय टीम ने लगातार गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जिसका फायदा टीम को मिला। भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर 38वें मिनट में मिला, जिसका भरपूर फायदा अपना 100वां मैच खेल रहे जुगराज ने उठाया। जुगराज ने जबरदस्त ड्रैग-फ्लिक के दम पर भारत को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर के आखिर में जर्मनी को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार डिफेंस करते हुए भारत को आखिरी समय तक एक गोल की बढ़त बनाए रखने में मदद की। आखिरी क्वार्टर में भारत के पास अपनी बढ़त को दोगुना करने के कई मौके आए, लेकिन टीम इन मौकों को भुनाने में नाकाम रही। हालांकि मैच के 56वें मिनट में जर्मनी ने शानदार वापसी की। जस्टस वीगैंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मैच के अंतिम पलों में जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका फायदा उठाते हुए जैकब ब्रिला ने मैच के 60वें मिनट में गोल करते हुए जर्मनी की 2-1 से जीत पक्की कर दी।

भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को नीदरलैंड्स से भिड़ेगी।

# भयानक टैकल से टूटीं कनाडाई फुटबॉलर के पैर की हड्डियां, स्ट्रेचर पर छोड़ना पड़ा मैदान

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कतर के खिलाफ 6-0 की ऐतिहासिक और एकतरफा जीत दर्ज करने के बाद कनाडाई टीम की खुशी उस वक्त निराशा और गुस्से में बदल गई, जब उनका एक प्रमुख खिलाड़ी गंभीर रूप से चोटिल हो गया। कनाडा के स्टार खिलाड़ी इस्माइल कोने भयानक चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सिर्फ यही नहीं, मैच खत्म होने के बाद जीत का जश्न मनाने के बजाय दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के बीच मैदान पर ही तीखी झड़प और धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस भयंकर बवाल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

**कतर के मिडफील्डर के खतरनाक टैकल ने तोड़ा इस्माइल का पैर**

मैच के दूसरे हाफ में खेल के दौरान एक बेहद दर्दनाक वाकया देखने को मिला। कतर के मिडफील्डर असिम मदीबो ने जब कनाडाई खिलाड़ी इस्माइल कोने को रोकने की कोशिश की, तो यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि कोने दर्द से कराहते हुए मैदान पर ही गिर पड़े।

मेडिकल टीम के तुरंत मैदान पर पहुंचने और शुरुआती जांच के बाद पता चला कि इस्माइल के पैर की दोनों हड्डियां टूट गई हैं। फुटबॉल की दुनिया में इसे बेहद गंभीर चोट माना जाता है। दर्द से तड़पते इस्माइल कोने को स्ट्रेचर पर लिटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया और अब उनकी सर्जरी की जाएगी।

इस चोट के कारण उनका इस वर्ल्ड कप का सफर यहीं खत्म हो गया है।

**फैंस ने खड़े होकर बढ़ाया हौसला, साथी खिलाड़ी ने दिया खास ट्रिब्यूट**

स्टेडियम में मौजूद हजारों फुटबॉल फैंस ने खेल भावना की शानदार मिसाल पेश की। जब इस्माइल कोने को स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया जा रहा था, तब पूरे स्टेडियम ने अपनी जगह पर खड़े होकर तालियां बजाते हुए उनका हौसला बढ़ाया। असहनीय दर्द के बावजूद कोने ने हाथ हिलाकर दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। मैदान पर इस्माइल की जगह लेने उतरे नाथन सालिबा ने भी कमाल कर दिया। उन्होंने मैदान में आते ही कुछ मिनटों के भीतर एक शानदार फ्री-किक के जरिए गोल दागा और हवा में इस्माइल कोने की 8 नंबर जर्सी लहराकर यह गोल अपने घायल साथी को समर्पित किया।

**मैच के बाद भिड़े दोनों टीमों के कोच और खिलाड़ी**

कनाडा की इस बड़ी जीत के बाद मैदान का माहौल उस वक्त अचानक तनावपूर्ण हो गया, जब कनाडा के कोच जेसी मार्श कतर के कोच जुलेन लोपेटेगी से हाथ मिलाने पहुंचे। बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस छिड़ गई। बात इतनी बढ़ गई कि देखते ही देखते दोनों टीमों के खिलाड़ी और स्टाफ भी आमने-सामने आ गए और मैदान अखाड़े में तब्दील हो गया। काफी देर तक चले इस ड्रामे और धक्का-मुक्की के बाद आखिरकार सुरक्षाकर्मियों और मैच अधिकारियों ने बीच-बचाव कर दोनों टीमों को अलग किया और मामले को शांत कराया।

# भूपनगर दंगल में ईरान के होदी ने जीती बड़ी माली

## 250 पहलवानों ने दिखाए दांव-पेच, पांच लाख रुपये के बांटे गए इनाम

» प्रथम न्यूज । बद्दी

19 जून ( गुरजीत सिंह )

दून विधानसभा क्षेत्र की भटोली कलां पंचायत के तहत भूपनगर में आयोजित विशाल कुश्ती दंगल प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के नामी पहलवानों ने दमखम दिखाया। वीरवार देर रात तक चले मुकाबलों में पहलवानों के दांव-पेच देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक अखाड़े के चारों ओर डटे रहे।

कुश्ती दंगल समिति के प्रधान नरेश कुमार प्रजापति ने बताया कि प्रतियोगिता में करीब 250 पहलवानों ने भाग लिया। सभी पहलवानों को उनकी कुश्तियों के अनुसार नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। दंगल में विभिन्न मुकाबलों के विजेताओं और उपविजेताओं को कुल पांच लाख रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई।

दंगल की बड़ी माली का मुख्य मुकाबला ईरान के होदी और साहिल कोहाली के बीच हुआ। रोमांचक और कड़े मुकाबले में होदी ने जीत दर्ज कर बड़ी माली अपने नाम की। विजेता होदी को 51 हजार रुपये और उपविजेता साहिल कोहाली को 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं छोटी माली का मुकाबला बाज और विजय के बीच हुआ, जिसमें बाज विजेता रहे। छोटी माली के विजेता को 31 हजार रुपये और उपविजेता को 30 हजार रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। बड़ी माली के विजेता और उपविजेता को दून के विधायक राम कुमार चौधरी ने सम्मानित किया, जबकि छोटी माली के विजेता और उपविजेता को पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी ने पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर विधायक राम कुमार चौधरी, पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी, बीडीसी पट्टा के चेयरमैन अशोक कुमार, जिला परिषद सदस्य राज कुमार चौधरी, समाजसेवी हंसराज चंदेल सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पंजाब दौरे से होगा बदलाव का आगाज़ : तीक्ष्ण सूद

» प्रथम न्यूज । जालंधर

19 जून ( शैली अल्बर्ट )

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के जालंधर आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। उनके स्वागत में 20 जून को निकाले जाने वाले भव्य रोड शो की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा नेताओं ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला जालंधर शहरी के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री तीक्ष्ण सूद ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पंजाब दौरा राज्य की राजनीति में बदलाव का नया अध्याय लिखने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार पंजाब के विकास, सुशासन और जनकल्याण के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगा।

सुशील शर्मा ने बताया कि 20 जून को शाम 7 बजे प्रभु श्री राम चौक से भगवान वाल्मीकि चौक तक एक विशाल एवं ऐतिहासिक रोड शो आयोजित किया जाएगा। इस रोड शो में भाजपा प्रदेश नेतृत्व, वरिष्ठ नेता, जिला पदाधिकारी,मंडल पदाधिकारी,शक्ति केंद्र,और बूथ स्तर तक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि जालंधर की जनता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए उत्साहित है।

पूर्व विधायक शीतल अंगुराल ने कहा कि भाजपा का बढ़ता जनाधार पंजाब में सकारात्मक राजनीतिक परिवर्तन का संकेत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा तथा कार्यकर्ताओं को आगामी चुनौतियों के लिए प्रेरित करेगा। बैठक के दौरान रोड शो के रूट, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों पर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा नेताओं ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की रूपरेखा तैयार की।

बैठक में भाजपा जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की, राजेश कपूर, यशपाल शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अश्वनी भंडारी, दविंदर कालिया, ललित यादव बब्बू, जिला सचिव अमित भाटिया, सनी शर्मा, गौरव राय, हिमांशु शर्मा एवं शुभम गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# उद्योग विभाग ने घुमारवीं में आयोजित किया स्मार्ट एमएसएमई जागरूकता एवं क्षमता संवर्धन सत्र

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

19 जून ( जितेंद्र गौतम )

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से उद्योग विभाग, जिला बिलासपुर द्वारा घुमारवीं के कुलाहरू स्थित कमधेनु होटल में स्मार्ट एमएसएमई कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता एवं क्षमता संवर्धन सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय उद्यमियों को डिजिटल रूपांतरण, उद्योग 4.0, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा सरकारी ई-बाज़ार (जेम) जैसे विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिला उद्योग केंद्र बिलासपुर के महाप्रबंधक मनोज कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में उद्योग विभाग के अधिकारियों तथा रैम्प परियोजना के विशेषज्ञों ने भाग लिया। अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी औद्योगिक वातावरण में तकनीकी नवाचार और डिजिटलीकरण एमएसएमई क्षेत्र की सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने उद्यमियों का आह्वान किया कि वे उपलब्ध सरकारी योजनाओं और तकनीकी सहायता कार्यक्रमों का अधिकतम लाभ उठाकर अपने उद्योगों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में रैम्प परियोजना समन्वयक तुषार शर्मा ने उद्योग 4.0, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे विषयों पर प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों को अपनाने से एमएसएमई इकाइयां उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लागत कम करने और बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति मजबूत करने में सक्षम हो सकती हैं।

डीआईसी शिमला के प्रशिक्षक अविनाश शर्मा ने सरकारी ई-बाज़ार (जेम) पोर्टल की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मंच एमएसएमई इकाइयों को सरकारी खरीद प्रक्रियाओं से जोड़ने और नए व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शिवम जसवाल ने उद्यमियों को एआई आधारित समाधानों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज व्यवसाय प्रबंधन, उत्पादन प्रक्रिया, ग्राहक सेवा तथा डेटा आधारित निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि एआई का प्रभावी उपयोग एमएसएमई क्षेत्र के लिए विकास और नवाचार के नए द्वार खोल सकता है।

सत्र में जिला की विभिन्न एमएसएमई इकाइयों से 35 से अधिक उद्यमियों एवं उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से संवाद कर डिजिटल तकनीकों, जेम पोर्टल और एआई के व्यावहारिक उपयोग से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करवाया।

# विधायक हरदीप बाबा ने पहाड़ी क्षेत्र रामशहर की करीब आधा दर्जन पंचायतों का दौरा कर सुनी लोगों की समस्याएं

## विकास कार्यों पर 8 लाख रुपये होंगे खर्च : हरदीप बावा

» प्रथम न्यूज । नालागढ़

19 जून ( गुरजीत सिंह )

नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक बावा हरदीप सिंह ने पहाड़ी क्षेत्र रामशहर की करीब आधा दर्जन पंचायतों का दौरा किया और सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनकर कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द लोगों की समस्याओं को निपटाने के निर्देश दिए।

विधायक ने ग्राम पंचायत बहेड़ी के गांव बगलैहड़, ग्राम पंचायत रामशहर के गांव बाली तथा ग्राम पंचायत धर्माणा के गांव कटल और जखौल में बिजली की समस्या को दूर करने के लिए दो सप्ताह के भीतर नए ट्रांसफार्मर स्थापित करने के निर्देश दिए।

बावा ने कहा कि गांव कटल संपर्क मार्ग के करीब डेढ़ किलोमीटर हिस्से को शीघ्र पक्का किया जाएगा। वहीं ग्राम पंचायत डोली के गांव सुन्ना में विकास कार्यों के लिए 8 लाख रुपये उपलब्ध करवाने की घोषणा की गई। इसके अलावा ग्राम पंचायत बहेड़ी के गांव गुनाह स्थित सिद्ध बाबा बालक नाथ मंदिर के डंगे के निर्माण हेतु 2 लाख रुपये तथा बैरीघाट संपर्क मार्ग के लिए भी 2 लाख रुपये देने की घोषणा की गई।

उन्होंने कहा कि हल्के का विकास ही उनकी पहली प्राथमिकता है। हर पंचायत का दौरा कर लोगों की समस्याओं का हल किया जा रहा है। इस अवसर पर नालागढ़ के उपमंडल अधिकारी नरेंद्र कुमार अहलूवालिया, तहसीलदार रामशहर डॉ. अभिषेक ठाकुर, नायब तहसीलदार राजेंद्र ठाकुर, थाना प्रभारी रामशहर विनोद कुमार, नालागढ़ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष ठाकुर बाबूराम, ग्राम पंचायत धर्माणा की प्रधान दीक्षा देवी, उपप्रधान महंत सिंह परमार, बी.डी.सी. सदस्य अमन कुमारी, ग्राम पंचायत डोली की प्रधान राम कुमारी, उपप्रधान सुनील दत्त, ग्राम पंचायत रामशहर के प्रधान रविंद्र मोहन रवि, उपप्रधान सुरेंद्र ठाकुर, पूर्व प्रधान बहेड़ी सतपाल सिंह सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

## एक नज़र

### राष्ट्रपति मुर्मू ने MP में भारत के बड़े पैमाने पर सिकल सेल स्क्रीनिंग अभियान पर दिया ज़ोर

**नई दिल्ली ( ब्यूरो ):** भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत भारत की कोशिशों और उनके असर पर बात की। कार्यक्रम में बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस मनाना स्वास्थ्य से जुड़ी एक बड़ी चुनौती से निपटने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने बताया कि इस मिशन के तहत स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा कर लिया गया है और इसे दुनिया भर में जेनेटिक बीमारी की स्क्रीनिंग के लिए सबसे बड़ी पहलों में से एक बताया। राष्ट्रपति ने बताया कि इस प्रोग्राम के तहत नवजात शिशुओं और 40 साल तक की उम्र के लोगों सहित लगभग सात करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की गई है।

उन्होंने कहा कि मिशन के तौर पर इसे लागू करने से लगभग 2.5 लाख लोगों में सिकल सेल बीमारी का पता चला है, जबकि 20 लाख से ज़्यादा कैरियर (बीमारी के वाहक) की पहचान की गई है। लगातार हेल्थकेयर सपोर्ट की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए, राष्ट्रपति ने इस प्रक्रिया में पहचाने गए बड़ी संख्या में कैरियर की समस्या को हल करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने मरीज़ों और उनकी देखभाल करने वालों की समय पर पहचान और हेल्थकेयर सपोर्ट सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की सराहना की। राज्य-स्तर की कोशिशों पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने इसमें अहम भूमिका निभाई है, जिसमें 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक चलाए गए स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत चार लाख से ज़्यादा महिलाओं की स्क्रीनिंग शामिल है। राष्ट्रपति ने पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस पर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई सिकल मित्र पहल का भी ज़िक्र किया। इसके तहत सरकारी और गैर-सरकारी प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों और NCC कैडेट्स को मरीज़ों के लिए जागरूकता और मदद के काम में सहयोग देने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि सभी राज्यों की मिली-जुली कोशिशों से भारत 2047 से काफी पहले सिकल सेल से जुड़ी बीमारियों को खत्म करने का अपना लक्ष्य हासिल कर लेगा।

### शख्स ने मगरमच्छ के बाड़े में फेंका 3 साल का मासूम, बचाने के लिए 20 फीट ऊपर से कूदी महिला

**लंदन ( एजेंसी ) :** ब्रिटेन के एक चिड़ियाघर में मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने तीन वर्षीय मासूम बच्चे को लगभग 20 फीट गहरे मगरमच्छों के बाड़े में फेंक दिया। हालांकि, मौके पर मौजूद चिड़ियाघर संचालक की पत्नी ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना बाड़े में छलांग लगाई और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जानकारी के अनुसार, यह घटना 18 जून को दोपहर करीब 1:30 बजे घटी। नॉरफ़ॉक निवासी 30 वर्षीय व्यक्ति एक डे-ट्रिप के तहत चिड़ियाघर पहुंचा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी मानसिक रूप से विशेष देखभाल की आवश्यकता वाला व्यक्ति है और उसके साथ एक केयरटेकर भी मौजूद था। इसी दौरान उसने अचानक वहां मौजूद तीन वर्षीय बच्चे को उठाकर मगरमच्छों के बाड़े में फेंक दिया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी और बच्चे के परिवार के बीच किसी प्रकार की कोई जान-पहचान नहीं थी। घटना के बाद चिड़ियाघर में अफरा-तफरी मच गई। बच्चे के बाड़े में गिरते ही चिड़ियाघर के मालिक एंडी जॉनसन की पत्नी ट्रेसी जॉनसन तुरंत उसकी मदद के लिए दौड़ीं और बिना देर किए बाड़े में उतर गईं। उन्होंने मगरमच्छों के करीब पहुंचने से पहले ही बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद घायल बच्चे को एयर एंबुलेंस के जरिए कैम्ब्रिज स्थित अस्पताल पहुंचाया गया।

डॉक्टरों के अनुसार बच्चे को आई चोटें ऊंचाई से गिरने के कारण लगी हैं। राहत की बात यह रही कि किसी भी मगरमच्छ ने बच्चे पर हमला नहीं किया। कैम्ब्रिजशायर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। डिटेक्टिव इंस्पेक्टर वेरिटी मैककैन ने बताया कि घटना के समय मौजूद चश्मदीदों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना के बाद एहतियातन चिड़ियाघर के उस हिस्से को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है जहां मगरमच्छ रखे जाते हैं, जबकि बाकी परिसर आम लोगों के लिए खुला है। चिड़ियाघर के संस्थापक एंडी जॉनसन ने कहा कि उनकी संवेदनाएं बच्चे और उसके परिवार के साथ हैं। स्थानीय सांसद ने इस घटना को गंभीर और चिंताजनक बताते हुए सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की मांग की है। घटना के बाद कई कर्मचारी भावुक हो गए और एक-दूसरे को सांत्वना देते नजर आए।बताया जाता है कि 12.5 एकड़ क्षेत्र में फैले इस चिड़ियाघर में 100 से अधिक जानवर हैं और यहां सुरक्षा के लिए मजबूत फेंसिंग तथा विशेष सुरक्षा अवरोध लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सामान्य परिस्थितियों में किसी व्यक्ति का गलती से मगरमच्छों के बाड़े में गिरना लगभग असंभव है।

# योग केवल व्यायाम नहीं, संपूर्ण जीवन पद्धति है : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

## मुख्यमंत्री ने सिरसा में मुख्य धाम बाबा भूमणशाह में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग शिविर में की शिरकत

**» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़**
**19 जून ( मुकेश डोलिया )**

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग भारत की सनातन संस्कृति का वह अमूल्य उपहार है, जिसे हमारे ऋषि-मुनियों ने संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए दिया है। हजारों वर्ष पूर्व प्रारंभ हुई योग की यात्रा आज वैश्विक स्वरूप धारण कर चुकी है। योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि शरीर, मन, आत्मा और समाज को जोड़ने वाली एक संपूर्ण जीवन पद्धति है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को सिरसा के ग्राम बाबा भूमणशाह (संगर सरिस्ता) में स्थित मुख्य धाम बाबा भूमणशाह में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग अभ्यास कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा ब्रह्मदास महाराज तथा कुरुक्षेत्र से महंत महेश मुनि महाराज को शॉल भेंट किया। उन्होंने कहा कि इस पावन धरा पर स्थित आध्यात्मिक चेतना के केंद्र डेरा बाबा भूमणशाह के आश्रम में आकर उन्हें असीम शांति और ऊर्जा की अनुभूति हुई है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को पूरा विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मनाने जा रहा है। इसी क्रम में हरियाणा के विभिन्न जिलों में योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप ले चुका है। उनके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। उस समय 177 देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था और आज विश्व का लगभग हर देश योग से जुड़ चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योगासन को खेल का दर्जा मिला तथा 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' में भी योगासन को शामिल किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेश 'खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत' और 'योग की डोज, आधा घंटा रोज' आज जन-जन के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

**12 वर्षों में विकास और योग के माध्यम से बढ़ी भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा**

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इन वर्षों में भारत ने आधारभूत संरचना, तकनीक और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है, वहीं योग के माध्यम से पूरी दुनिया को मानसिक शांति और बेहतर स्वास्थ्य का मार्ग भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि विकास के ये 12 वर्ष और योग के वैश्विक प्रसार की यह यात्रा नए भारत की बढ़ती ताकत और वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक है।

**बाबा भूमणशाह के उपदेश समाज को दे रहे नई दिशा** - मुख्यमंत्री ने बाबा भूमणशाह महाराज को महान समाज सुधारक एवं लोककल्याणकारी संत बताते हुए कहा कि उन्होंने भूखे को अन्न, भटके को राह और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान देने का संदेश दिया। बाबा जी ने मानवता, प्रेम, सदाचार, सेवा और अच्छे आचरण को जीवन का आधार बनाया। उनके उपदेशों में नशे के विरुद्ध लगातार चेतना का संदेश मिलता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन ईश्वर की अमूल्य देन है, जिसे नशे जैसी बुराइयों में व्यर्थ नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डेरा बाबा भूमणशाह कम्बोज समाज की आस्था, सेवा भावना और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। कम्बोज समुदाय का इतिहास वीरता, देशभक्ति, पुरुषार्थ और कठोर परिश्रम से परिपूर्ण रहा है। देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु आज भी बाबा भूमणशाह जी के दिखाए सत्य एवं सेवा के मार्ग पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने में गद्दीनशीन बाबा ब्रह्मदास महाराज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके मार्गदर्शन में यह धाम शिक्षा, स्वास्थ्य, अध्यात्म और मानव सेवा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

# भारत के लिए बड़ी खुशखबरी: 3 महीने से फंसा LNG टैंकर 'दिशा' सुरक्षित पहुंचा गुजरात, 62,370 मीट्रिक टन गैस लेकर लौटा

**» प्रथम न्यूज । भरूच**
**19 जून ( एजेंसी )**

तीन महीने के इंतजार के बाद एलएनजी टैंकर 'दिशा' सफलतापूर्वक हॉर्मुज स्ट्रेट पार करते हुए गुजरात के दहेज पहुंचा है। यह टैंकर शुक्रवार सुबह लगभग 7:32 बजे दहेज एलएनलजी टर्मिनल पर आया।

जानकारी के अनुसार, यह जहाज कतर के रास लाफान एलएनजी टर्मिनल से 62,370 मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) लेकर रवाना हुआ था। टैंकर 'दिशा' लगभग तीन महीने से अधिक समय तक गल्फ क्षेत्र में फंसा हुआ था। मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और हॉर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षा स्थिति को लेकर अनिश्चितता के कारण इसकी यात्रा में देरी हुई थी। यह जहाज शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम की ओर से संचालित किया जा रहा है। इसे पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के लिए चार्टर किया गया है।

क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं और समुद्री

मार्गों पर बढ़ते तनाव के चलते 'दिशा' को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। इसके बावजूद जहाज ने सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा पूरी की और भारत पहुंचा। मध्य-पूर्व की तनावपूर्ण स्थिति के बाद हॉर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले पहले भारतीय एलएनजी कैरियर्स में 'दिशा' का नाम भी शामिल हो गया है। ऐसे संवेदनशील समय में जहाज का सुरक्षित रूप से दहेज पहुंचना भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दहेज स्थित एलएनजी टर्मिनल देश का सबसे बड़ा एलएनजी आयात केंद्र है। ऐसे में 'दिशा' का सुरक्षित आगमन भारत के प्राकृतिक गैस आपूर्ति तंत्र के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। हॉर्मुज स्ट्रेट दुनिया के ऊर्जा व्यापार का एक रणनीतिक समुद्री मार्ग है, जहां तनाव के कारण एलएनजी और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी हुई थी। वेसल ट्रैकिंग जानकारी के अनुसार, 'दिशा' ने सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा पूरी करते हुए दहेज टर्मिनल तक पहुंच बनाई है। इस घटना को भारत की ऊर्जा आपूर्ति स्थिरता के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

# नवीन जिंदल फाउंडेशन ने निशुल्क मेडिकल शिविर लगाकर 53 लोगों तक पहुंचा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

**» प्रथम न्यूज । पिहोवा**
**19 जून ( मुकेश डोलिया )**

समाजसेवा और जनकल्याण के उद्देश्य से नवीन जिंदल फाउंडेशन की ओर से नगर पालिका के वार्ड नंबर 8 और 9 में निशुल्क मेडिकल शिविर का लगाया गया। गुरु रविदास मंदिर के पास लगे शिविर में लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श, आवश्यक जांच व निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई गई। फाउंडेशन की मेडिकल वैन के माध्यम से शिविर में डॉ. पूर्ण मल के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हुए 53 लोगों को दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं और 16 लोगों के लैब टेस्ट किए गए। शिविर के दौरान वार्ड वासियों को स्वास्थ्य संबंधी जागरुकता का संदेश देते हुए टीम ने समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह दी गई। सांसद कार्यालय कैथल के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल का विजन है कि आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही महंगी चिकित्सा से उन्हें राहत दिलाने के लिए लोगों को उनके घर के पास ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिंदल की इस पहल का सबसे अधिक लाभ महिलाओं और बुजुर्गों को मिल रहा है। जो बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं काट सकते। मुफ्त दवाई देने के साथ-साथ टीम लैब टेस्ट करके लोगों को समय रहते बीमारी से जागरुक रहने के लिए भी प्रेरित करती हैं।

इसके साथ-साथ टीम में शामिल महिला स्टाफ गर्भवती महिलाओं एवं युवतियों को संतुलित आहार के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ उनके शरीर में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन आदि की मात्रा को चेक करता है। लोगों को उचित खान-पान और शरीर में पनप रही बीमारी के संकेत पहचान के बारे में भी अवगत किया जाता है।

उन्होंने ग्रामीणों को नवीन जिंदल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य मेधावी एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। पात्र विद्यार्थी योजना का लाभ लेकर अपनी उच्च शिक्षा के सपनों को साकार कर सकते हैं। इस मौके पर संजीव कपिल, अजय कोरियोग्राफर, गुलशन सांगर, सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

# जालंधर की बेटी ने जर्मनी में लहराया परचम, बैडमिंटन में जीता गोल्ड मेडल

**जालंधर, 19 जून ( डोगरा )** शहर की प्रतिभाशाली बेटी आरती राणा ने जर्मनी में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम कर जिले और देश का गौरव बढ़ाया है। आरती ने फाइनल मुकाबले में अंग्रेज खिलाड़ियों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया और तिरंगा शान से लहराया।

आरती राणा की इस उपलब्धि से खेल जगत और शहरवासियों में खुशी की लहर है। उनकी जीत ने यह साबित कर दिया है कि जालंधर की बेटियां भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। आरती की इस ऐतिहासिक सफलता पर पंजाब के कैबिनेट मंत्री महेंद्र भगत और जालंधर के मेयर वनीत धीर ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि पूरे पंजाब के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आरती भविष्य में भी इसी तरह देश का नाम रोशन करती रहेंगी और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी। खेल प्रेमियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी आरती राणा को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी इस सफलता ने जालंधर को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाई है।

# हजरत अलीमुल्लाह शाह आफताब-ए-चिश्तिया का 246वां उर्स 22 जून को

**» प्रथम न्यूज । जालंधर**
**19 जून ( डोगरा )**

दरगाह हजरत अलीमुल्लाह शाह आफताब-ए-चिश्तिया रहमतुल्लाह अलैह का 246वां उर्स-ए-पाक इस वर्ष 22 और 23 जून को बड़ी अकीदत और सादगी के साथ मनाया जाएगा। उर्स का आयोजन बहिश्ती दरवाजा दरगाह, शास्त्री मार्केट चौक के निकट किया जा रहा है।

आयोजन समिति एवं अल नूर हुमन वेलफेयर सोसायटी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार 22 जून को सुबह 11 बजे कुरानखानी और नियाज का कार्यक्रम शुरू होगा। इसके उपरांत नमाज-ए-जोहर के बाद श्रद्धालुओं के लिए लंगर का आयोजन भी किया जाएगा।

सोसायटी के मोहम्मद अकबर अली ने सभी अकीदतमंदों और शहरवासियों से उर्स में शामिल होकर बुजुर्गाने-दीन का फ़ैज़ हासिल करने तथा कार्यक्रम की रौनक बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उर्स के दौरान धार्मिक माहौल में दुआओं और इबादत का सिलसिला जारी रहेगा तथा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। मोहम्मद अकबर अली ने कहा कि यह उर्स आपसी भाईचारे, अमन और इंसानियत का संदेश देता है तथा हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

# चंडीगढ़ DGP सागर प्रीत हुड्डा की माता का निधन

## 86 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, 21 जून को रोहतक में श्रद्धांजलि सभा

**चंडीगढ़ ( पुनीत महाजन )**- चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सागर प्रीत हुड्डा की माता किताब कौर का 17 जून 2026 को निधन हो गया। वह लगभग 86 वर्ष की थीं। उनके निधन से परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं चंडीगढ़ के प्रशासनिक, पुलिस एवं सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक लोगों ने डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। परिवार के अनुसार स्वर्गीय किताब कौर एक स्नेहमयी माता, दादी और मार्गदर्शक थीं। उन्होंने अपने जीवन में प्रेम, संस्कार, धैर्य और करुणा के मूल्यों के साथ परिवार एवं समाज के अनेक लोगों को प्रेरित किया। उनके निधन को परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया है। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 21 जून 2026 (रविवार) को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक स्थित राधाकृष्णन ऑडिटोरियम में किया जाएगा। प्रार्थना सभा दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक आयोजित होगी, जबकि इसके उपरांत दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक प्रसाद वितरण किया जाएगा।

# पंचकूला में विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे पीएमडीए सीईओ

## शहर की सुंदरता और आधुनिक सुविधाओं पर दिया जोर, पंचकूला में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का किया ग्राउंड इंस्पेक्शन

**» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़**
**19 जून ( पुनीत महाजन )**

पंचकूला मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के. मकरंद पांडुरंग ने शुक्रवार को पंचकूला शहर में पीएमडीए द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर पंचकूला के उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने टोपियरी पार्क, निर्झर वाटिका, फाउंटेन पार्क, कैक्टस गार्डन, शहर के प्रमुख चौकों, राजीव कॉलोनी तथा अटल पार्क का निरीक्षण किया।

श्री के. मकरंद पांडुरंग ने अधिकारियों को सभी कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा अवसंरचनाओं का रखरखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएमडीए का उद्देश्य ट्रीटेड वॉटर सिस्टम के माध्यम से पार्कों की सुंदरता बढ़ाने तथा उनके दीर्घकालिक एवं टिकाऊ संचालन को सुनिश्चित करना है। इसी के तहत निर्झर वाटिका और फाउंटेन पार्क जैसे बड़े पार्कों में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण तथा फव्वारों के नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया

जाए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने पार्कों एवं हरित क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली लैंडस्केपिंग बनाए रखने, पैदल मार्गों को बेहतर बनाने तथा बागवानी संबंधी कार्यों जैसे हेज ट्रिमिंग और पेड़-पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्कों में बेहतर पहुंच (एक्सेसिबिलिटी), जनसुविधाओं एवं शौचालयों का समुचित रखरखाव, तथा बेंच और साइनेज जैसी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर भी बल दिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सड़कों, नालों, मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई और रखरखाव की स्थिति का भी जायजा लिया। साथ ही बागवानी एवं सिंचाई व्यवस्था के लिए अधिक प्रभावी और स्वचालित (ऑटोमेटेड) समाधान अपनाने पर चर्चा की गई। जलधारा सौंदर्यीकरण एवं कायाकल्प परियोजना, अटल पार्क विकास, विश्वस्तरीय शूटिंग रेंज के निर्माण तथा अन्य विकास क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख परियोजनाओं की साइटों पर चल रहे अवसंरचनात्मक कार्यों का भी मूल्यांकन किया गया।

# फिल्लौर दौरे पर चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

**» प्रथम न्यूज । जालंधर**
**19 जून ( ब्यूरो )**

पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी ने शुक्रवार को फिल्लौर क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कई स्थानों पर खुली कचहरी लगाकर नागरिकों की शिकायतों का निपटारा किया तथा प्रशासन को जनहित के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दौरे के दौरान श्री गढ़ी ने गांव नगर में हाईवे पर खड़े गंदे पानी की निकासी से जुड़ी समस्या का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। शिकायतों की सुनवाई के बाद उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस

समस्या का स्थायी समाधान करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और जनसमस्याओं के समाधान में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर एसडीएम फिल्लौर, तहसीलदार, बीडीपीओ सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

श्री गढ़ी ने गांव मियोंवाल में हाल ही में टिप्पर दुर्घटना में जान गंवाने वाले एक दलित युवक के परिवार से मुलाकात कर गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। वहीं गांव मोरों में उनके प्रयासों से खेल मैदान निर्माण को लेकर दो पक्षों के बीच चल रहा विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिया गया।

अपने दौरे के दौरान उन्होंने गांव अकलपुर स्थित डेरा ब्रह्म दास में मत्था टेककर बाबा जसपाल सिंह का आशीर्वाद लिया। इसके अलावा डेरा बाबा मेला राम में संत परमजीत दास जी से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा श्री राम मंदिर कुटिया में माथा टेककर प्रदेश की खुशहाली और तरक्की की कामना की।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/2010/36540